श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 279

भिलाई, मंगलवार 26 जुलाई 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

घर-घर तिरंगा अभियान की शुरूआतः एसएसबी के संग युवाओं ने कहा- तिरंगा हमारी शान

भिलाई। आजादी के अमृत महोत्सव में अपनी भागीदारी निभाने एसएसबी ने सोमवार से हर-घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की। मरोदा स्थित सेक्टर हेडक्वार्टर से एक तिरंगा रैली निकली। इस रैली की अगुवाई डीआईजी थॉमस चाको ने की। इस मौके पर कमांडेंट अशोक गुप्ता, सेकंड इन कमान बांकेबिहारी सहित कई अधिकारी और जवान सहित भिलाई महिला विद्यालय की एनएसएस और रेड रिबन ग्रुप , स्वामी स्वरूपानंद कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स सहित बीएड की छात्राएं शामिल हुई। यह रैली मरोदा सेक्टर से होते हुए मरोदा मार्केट से होकर इस्पात भवन से सामने गुजरते हुए वापस सेक्टर हेडक्वार्टर पहुंची। इस मौके पर डीआईजी थॉमस चाको ने कहा कि तिरंगा हम सब की शान है और इसे हमें हर दिन फहराने का अधिकार है। आजादी के इस अमृत महोत्सव में खासकर 13 से लेकर 15 अगस्त तक हर नागरिक इसे अपने घर, दफ्तर, प्रतिष्ठान में फहराए और तिरंगे का सम्मान करें।

सुरक्षाबलों व नक्सलियों में मुठभेड़, पांच लाख का इनामी नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा में देर रात नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के हाथ बड़ी सफलता मिली है। आईजी बस्तर ने बताया, सुरक्षा बलों ने पांच लाख के इनामी नक्सली बुधराम मरकाम को मार गिराया है। उन्होंने बताया, पूरे इलाके को घेर लिया गया है और तलाशी अभियान जारी है। सुरक्षाबलों को अभी भी नक्सलियों के छिपे होने का संदेह है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए नक्सली बुधराम पर अलग-अलग अपराधों में 19 मामले दर्ज हैं। अधिकारियों ने बताया, कटेकल्याण थाना क्षेत्र के जबरामेटा के आसपास के जंगल में देर रात नक्सलियों व डीआरजी जवानों का आमना-सामना हुआ। जवाबी फायरिंग के दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर कई नक्सली वहां से भाग गए।

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की पूछताछ का विरोध

गांधी मैदान में कांग्रेसियों का सत्याग्रह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। कांग्रेस पार्टी इसके विरोध में फिर प्रदर्शन करने को तैयार है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी कल यानि 26 जुलाई को रायपुर के गांधी मैदान स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने सत्याग्रह करेगी। सत्याग्रह में कांग्रेस के सभी नेता और पदाधिकारी शामिल होंगे। कांग्रेस कार्यकर्ता ईडी की इस कार्रवाई का विरोध करेगा। इससे पहले 21 जुलाई को कांग्रेस ने ईडी दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया था। इस दौरान सीएम भूपेश बघेल ने भाजपा व डॉ. रमन सिंह पर जमकर निशाना साधा था।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि

भारतीय जनता पार्टी द्वारा एजेंसियों के दुरूपयोग के खिलाफ 26 जुलाई को राजधानी रायपुर के गांधी मैदान स्थित गांधी प्रतिमा के सामने शांतिपूर्ण सत्याग्रह का आयोजन किया गया है। यह सत्याग्रह सुबह 10 बजे से शुरू होगा और तब तक जारी रहेगा, जब तक कांग्रेस अध्यक्ष प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय से बाहर नहीं आ जाती है। इस प्रदर्शन में प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी शामिल होंगे। प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सत्याग्रह में शामिल होकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई का विरोध करेगा।

सीएम भूपेश ने मोदी सरकार पर बोला था हमला

बता दें कि नेशनल हेराल्ड केस में 90 करोड़ के लेन-देन को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पूछताछ की जा रही है। पहले राहुल गांधी से 5 दिनों तक पूछताछ की गई थी। इस दौरान भी कांग्रेस ने सत्याग्रह किया था। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल सहित 71 विधायक सत्याग्रह में शामिल होने दिल्ली गए थे। सीएम भूपेश बघेल को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। उन्हें सड़क पर घंटों रोका गया था। वहीं 21 जुलाई को रायपुर के ईडी दफ्तर में हुए प्रदर्शन के दौरान बघेल ने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, भारतीय जनता पार्टी और केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला था। साथ ही ईडी अफसरों को इस कार्रवाई पर अपनी अंतरात्मा से पूछने की बात कही थी।

भारत को बड़ा झटका

ओलंपिक चैंपियन नीरज राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेलों (कॉमनवेल्थ गेम्स) की शुरुआत 28 जुलाई से होने जा रही है। इससे दो दिन पहले भारत को बड़ा झटका लगा है। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर हो गए हैं। भारतीय ओलंपिक संघ के महासचिव राजीव मेहता ने इसकी जानकारी दी।

हाल ही में नीरज ने भारत को वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक दिलाया था। अंजू बॉबी जॉर्ज (2003) के बाद वह ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे एथलीट बने। हालांकि, वह इसी टूर्नामेंट में चोटिल भी हो गए थे। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जेवलिन फाइनल के दौरान नीरज चोपड़ा को चोट लगी थी। फाइनल में नीरज अपनी जांघ पर पट्टी लपेटते भी नजर आए थे।

नीरज ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने के बाद कहा था- चौथे थ्रो के बाद मुझे जांघ में असहज महसूस हो रहा था। चौथे थ्रो के बाद मैं उतना जोर नहीं लगा पा रहा था, जितना मैं चाहता था। नीरज के इस बयान ने सभी देशवासियों की चिंता बढ़ा दी थी।

कॉमनवेल्थ में प्रतिस्पर्धा कम होती है और पदक जीतने की संभावना ज्यादा रहती है। ऐसे में नीरज चोपड़ा का स्वर्ण पदक जीतना तय माना जा रहा था, लेकिन उनके चोटिल होने पर भारत को एक पदक का नुकसान हुआ है।

फिर डराने लगा कोरोना, 543 नए मरीज मिले, एक की मौत, एक्टिव केस 3890

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार ने राज्य सरकार की चिंता बढ़ा दी है। सोमवार को प्रदेश में 543 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 3890 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा 614 रायपुर व 541 एक्टिव केस दुर्ग जिले में हैं। कोरोना से बालोद जिले में 1 की मौत भी हुई है। राज्य शासन ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए राज्य की सीमाओं और सभी एयरपोर्ट पर कोविड जांच अनिवार्य किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने कोविड गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने और वैक्सीनेशन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के मुताबिक सोमवार को 10 हजार 449 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 543 नए संक्रमित मिले हैं। दुर्ग जिले में सबसे ज्यादा 105 मरीजों की पुष्टि हुई है। पिछले 24 घंटे में 410 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। वहीं 55 लोग हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुए हैं। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 4.48 प्रतिशत से बढ़कर 5.20त्न हो गई है। छत्तीसगढ़ में कोरोना से

अब तक 14 हजार 58 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं अब तक 11 लाख 63 हजार 131 लोग संक्रमित हो चुके हैं। पूरे प्रदेश में दुर्ग, रायपुर व राजनांदगांव जिले में सबसे ज्यादा मरीज मिल रहे हैं।

प्रदेश के इन जिलों में मिले कोरोना के मरीज

24 घंटे में प्रदेश के 27 जिलों में कोरोना के 543 नए मरीज मिले हैं। दुर्ग जिले में 105, रायपुर में 82, कोरबा में 49, राजनांदगांव में 40, जशपुर में 33, बेमेतरा में 30, महासमुंद में 26, बिलासपुर में 24, बालोद में 23, सरगुजा में 21, जांजगीर-चांपा में 18, रायगढ़ व कांकेर में 13-13, धमतरी में 12, बलौदाबाजार में 11, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 8, कोरिया एवं बस्तर में 6-6, मुंगेली में 5, कबीरधाम, सूरजपुर, बलरामपुर, कोंडागांव व सुकमा में 3-3, बीजापुर, गरियाबंद व नारायणपुर में 1-1 मरीज मिले हैं। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने कहा कि सावधानी जरूरी है। सभी कोविड गाइडलाइंस का पालन करें। मास्क का उपयोग करें और लक्षण होने पर टेस्ट जरूर करा लें।

21 मौतों का गुनाहगार कौन? शराब के नाम पर पिलाया गया मिथाइल केमिकल, एसआईटी की जांच में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में जहरीली शराब की घूंट मार कर मरने वालों की संख्या मंगलवार को 21 हो गई। इस दिन 9 लोगों की मौत हुई है। गुजरात पुलिस के सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि सभी लोगों को शराब की जगह बोतल में केमिकल दिया गया था। इन केमिकलों को पीने के बाद रविवार को सभी की तबीयत एक साथ खराब हो गई।

इस मामले की पड़ताल के लिए बनी एसआईटी की शुरुआती जांच और संदिग्धों से पूछताछ के बाद कई बातों का पता चला है। जिसके मुताबिक, Emos नाम की एक कंपनी ने मिथाइल की सप्लाई की थी। यह मिथाइल उस बोतल में मौजूद था

जिसे इन लोगों ने पीया था। गोदाम के मैनेजर जयेश उर्फ राजू ने अपने एक रिश्तेदार संजय को 60,000 रुपये में 200 लीटर मिथाइल दिया था।

कहा जा रहा है कि संजय और उसके सहयोगी पिंटू ने इसके बाद मिथाइल से भरा पाउच बेचा था। इन पाउचों को देसी अल्कोहल के नाम से लोगों को बेचा गया था। जिसे पीने के बाद लोग बीमार पड़ गये। Emos कंपनी ने कुल 600 लीटर मिथाइल की सप्लाई की थी। पुलिस ने इसमें से करीब 450 लीटर मिथाइल सीज किया है। सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि पुलिस अब फ्रेरेंसिक साइंस लेबोरेट्री की रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर रही है। आरोपियों के खिलाफ हत्या के चार्ज लगाए जाएंगे।

बोटाद जिले के रोजिद गांव में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बता दें कि 30 लोगों का अभी इलाज चल रहा है। इस बीच, जैसे ही त्रासदी की खबर गांधीनगर पहुंची, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। सूत्रों के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, फोरेंसिक विशेषज्ञों और स्वास्थ्य अधिकारियों को बोटाद जाकर हालात का जायजा लेने के निर्देश दिए गए हैं।

मिसालः मुस्लिम समुदाय के लोगों ने किया कांवड़ियों का स्वागत, साम्प्रदायिक सौहार्द की देश भर में हो रही चर्चा

नोएडा (एजेंसी)। एक ओर जहां देश में बिगड़ते माहौल में तमाम लोग आग को हवा देने के काम करते हैं, वहीं दूसरी ओर हर समुदाय में ऐसे लोग भी हैं जो समय-समय पर सामप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए आगे आते हैं। नोएडा में भी सोमवार को ऐसा ही प्रेममय नजारा देखने को मिला जो पूरे देश के लिए मिसाल बन रहा है।

नोएडा में सांप्रदायिक सद्भाव का परिचय देते हुए मुस्लिम समुदाय के युवाओं ने कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा करके उनका स्वागत किया। उन्होंने इस दौरान कांवड़ियों को फल भी भेंट किए। सावन के पवित्र महीने में कांवड़ियों की श्रद्धा का ऐसा सम्मान कर नोएडा के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भाईचारे का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया है।

कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा और उनके बीच फल वितरण का यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। लोग इसकी खूब सराहना कर रहे हैं।

बता दें कि सावन के महीने में शिव भक्त कांवड़ में गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करते हुए भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक करते हैं। लंबी पैदल यात्रा पूरी करना उनके लिए बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में कांवड़ियों के लिए ऐसा स्वागत आयोजित कर नोएडा के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने समाज को बड़ा संदेश दिया है।

लखीमपुर खीरी हिंसा के आरोपी आशीष मिश्रा को हाईकोर्ट से राहत नहीं, जमानत याचिका खारिज

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने खीरी के तिकुनिया कांड मामले केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा उर्फ टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा उर्फ मोनू की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायालय ने कहा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों को देखते हुए, आशीष मिश्रा को जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता। यह निर्णय न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की एकल पीठ ने आशीष मिश्रा की जमानत याचिका को खारिज करते हुए पारित किया।

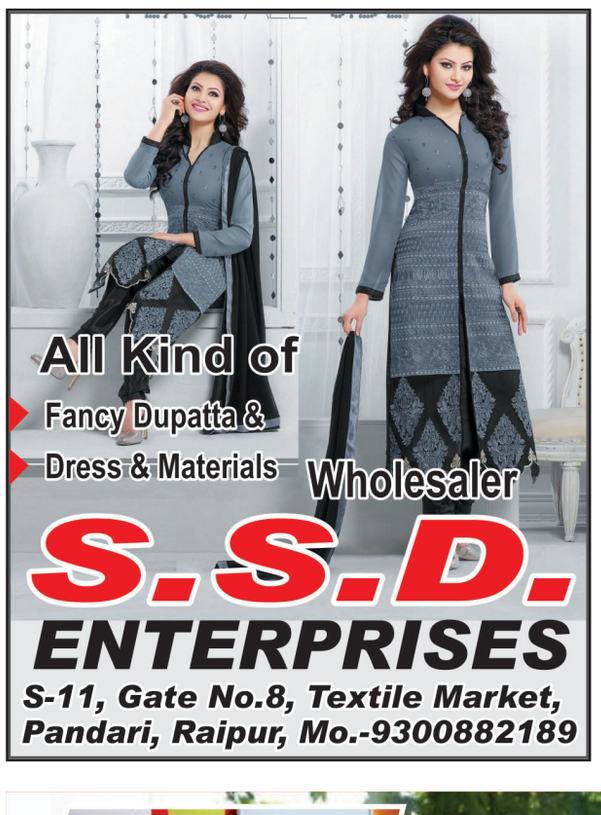

भिक्षुक ने चार बच्चों को डूबने से बचा लिया

दीपक रंजन दास

बिलासपुर के तालापारा के चार बच्चे अरपा नदी के तेज बहाव में बहने लगे। लोग पुल पर खड़े होकर शोर मचाते रहे। तभी एक भिक्षुक वहां से गुजरा। उसने बच्चों को डूबते देखा तो उफनती नदी में छलांग लगा दी। नदी-नालों में नहाने वाले भिक्षुक की तैराकी विद्या यहां काम आ गई। नदी यहां 20 फीट गहरी है। वह बच्चों को बचा कर किनारे ले आया। ऐसा कोई भिक्षुक ही कर सकता है। बिना अपने जीवन की परवाह किये, बिना किसी राजनीतिक एजेंडे के, बिना किसी प्रचार की आकांक्षा के वह बच्चों का जीवन बचाने के लिए अपना जीवन दांव पर लगा देता है। वह अपनी व्यक्तिगत क्षमता पर भरोसा करता है, उसका उपयोग करता है। अमीर हो या गरीब, सबको अपनी जान प्यारी होती है। पर इससे भी बड़ी होती है मानवता के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता। जीव मात्र के प्रति दया और सहानुभूति स्वाभाविक गुण हैं। ऐसा व्यक्ति सड़क किनारे घायल पड़े पशु के लिए भी रोता है। यह गुण उन बच्चों में भी होता है जिनका अभी राजनीतिक ध्रुवीकरण नहीं हुआ है। जिनकी बुद्धि कुटिल इतिहासकारों, व्याख्याकारों ने अभी हर नहीं ली है। भिलाई में ही बच्चों के ऐसे अनेक संगठन हैं जो जीव जंतुओं की रक्षा के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। वे सड़क पर घायल होने वाले जानवरों की मदद करते हैं। अपना पूरा पॉकेट मनी उनपर खर्च कर देते हैं। इतना भी न किया तो इंसान कैसा? इन बच्चों की कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं है। वो न तो पाले के इस तरफ हैं और न उस तरफ। सेक्टर-1 की अंजलि सिंह की टोली घायल जानवरों की मदद करती है। नोवा नेचर की टीम सांपों को पकड़कर सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचाती है। इसी तरह एक दशक पहले युवाओं की एक टोली व्यस्त बाजारों के ठेलों के पास से कचरा बीनती दिखाई देती थी। शहर के तमाम वृद्धाश्रमों, अनाथ आश्रमों और विशेष बच्चों की देखभाल के लिए स्थापित केन्द्रों में ऐसे बच्चे दिखाई दे जाते हैं। ऐसा इसलिए संभव हो पाता है क्योंकि इनमें राजनीतिक कुटिलता नहीं होती। यह विषय इसलिए कि ज्ञान के देश भारत ने अपने ज्ञान को कुछ इस तरह सहेजा कि वह विलुप्त हो गया। पर इसी देश से बौद्ध भिक्षुओं की टोलियां निकली और अपना ज्ञान बांटती चली गई। आज चीन, कोरिया, जापान, रयुक्यु द्वीपसमूह और वियतनाम इसी धर्म की बदौलत राष्ट्रीय एकता के शीर्ष पर दिखाई देते हैं और हम अपने ही घर को आग लगाए पड़े हैं। कुटिल इतिहासकारों और व्याख्याकारों ने धर्म की ऐसी-ऐसी परिभाषाएं कर दीं जो स्वयं श्रीकृष्ण की भी समझ के परे है। भगवत गीता में जब उन्होंने धर्म की व्याख्या की थी तब धरती पर न तो मुसलमान थे और न ईसाई।

गुस्ताखी माफ

संपादकीय

गणराज्य का गौरव पल

सोमवार को संसद के सेंट्रल हॉल में जब द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति पद की शपथ ले रही थीं, तब पूरा देश उन्हें सम्मान से देख रहा था। उनके शपथ ग्रहण के साथ देश के जनजाति और वनवासी समुदाय का सिर जिस तरह गर्व से ऊंचा उठा है, वह भारतीय राष्ट्र की नई ताकत और भारतीय राजनीति के नए विस्तार की ओर इशारा करता है। शपथ ग्रहण के बाद अपने पहले संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने आजादी के अमृत महोत्सव को याद किया, जिसे हम कुछ ही दिनों में मनाने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा सौभाग्य है कि आजादी के 75वें साल में मुझे यह दायित्व मिला है।' द्रौपदी मुर्मू के देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचने से उस संकल्प और उन सपनों को एक नया आयाम मिला है, जो आजादी की लड़ाई की सबसे प्रमुख भावना थी। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिसके लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। अंतिम जन को देश के शीर्ष पद पर ले जाने के संकल्प को साकार करने का इससे अच्छा अवसर कोई और हो नहीं सकता था। यह हम सबका सौभाग्य है कि स्वतंत्रता के 75वें साल में हम देश को उस दिशा में ले जा रहे हैं, जिसके लिए आजादी की लड़ाई लड़ी गई थी।

> भारतीय लोकतंत्र इस मायने में अपनी परिपक्वता से दुनिया के दूसरे लोकतंत्रों के आगे आदर्श प्रस्तुत करता है। द्रौपदी मुर्मू का शिखर पर पहुंचना एक बार फिर यह बताता है कि भारत की राजनीति में अब उच्च वर्गों का एकाधिकार नहीं रहा। हालांकि, हमारी सक्रिय राजनीति में राष्ट्रपति की भूमिका सीमित होती है, लेकिन द्रौपदी मुर्मू के पास वह आभामंडल है, जो राजनीति के उतार-चढ़ावों के बीच स्थितियों को अप्रिय होने से बचा सकता है।

राष्ट्रपति मुर्मू आर्थिक रूप से देश के सबसे पिछड़े इलाके से आई हैं। उस इलाके से, जहां अभी चंद रोज पहले तक विद्युत आपूर्ति तक की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने जो लंबा सफर तय किया है, वह देश के राजनीतिक वायुमंडल के बारे में भी बहुत कुछ कहता है। उनके गांव में विकास की वह बयार अभी तक नहीं पहुंची है, जिसे हम प्रगति की सबसे जरूरी शर्त मानते हैं। इसके अलावा, उन्होंने पिछले 25 साल में पार्षद से लेकर राष्ट्रपति पद तक की लंबी दूर तय की है। यहां पर एक और चीज का जिक्र जरूरी है कि वह देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। इस तरह से देखें, तो सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक और जेंडर के उन सभी स्तरों का उनके पास निजी अनुभव है, जहां बड़े प्रयासों की जरूरत है। राष्ट्रपति के तौर पर यह अनुभव उनके बहुत काम आएगा। इसके साथ ही उनका यह अनुभव देश के लोगों के लिए भी एक आश्वासन है कि सर्वोच्च पद पर एक ऐसी हस्ती आसीन है, जो उनके दुख-दर्द को अच्छी तरह जानती-समझती है। इस सबका एक अन्य अर्थ भी है, जिसका जिक्र राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में किया, 'मेरा निर्वाचन इस बात का सुबूत है कि भारत में गरीब सपने देख भी सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है।'

जाहिर है, राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू का शपथ लेना भारतीय राजनीति की जड़ों के गहराने और मजबूत होते जाने की कहानी कहता है। पिछले कुछ दशकों में हमारा लोकतंत्र उन सभी लोगों को, तमाम समुदायों को मुख्यधारा में, बल्कि केंद्र ले आया है, जो कभी सत्ता-संरचना के हाशिये पर हुआ करते थे। किसी देश की सामाजिक विविधता उसकी राजनीति में भी स्थापित हो, प्रतिबिंबित हो, तो इससे अच्छी बात भला क्या हो सकती है! भारतीय लोकतंत्र इस मायने में अपनी परिपक्वता से दुनिया के दूसरे लोकतंत्रों के आगे आदर्श प्रस्तुत करता है। द्रौपदी मुर्मू का शिखर पर पहुंचना एक बार फिर यह बताता है कि भारत की राजनीति में अब उच्च वर्गों का एकाधिकार नहीं रहा। हालांकि, हमारी सक्रिय राजनीति में राष्ट्रपति की भूमिका सीमित होती है, लेकिन द्रौपदी मुर्मू के पास वह आभामंडल है, जो राजनीति के उतार-चढ़ावों के बीच स्थितियों को अप्रिय होने से बचा सकता है।

भारत में हिंदू अल्पसंख्यक हैं?

सर्वोच्च न्यायालय में आजकल एक अजीब-से मामले पर बहस चल रही है। मामला यह है कि क्या भारत के कुछ राज्यों में हिंदुओं को अल्पसंख्यक माना जाए या नहीं? अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक होने का फैसला राष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए या राज्यों के स्तर पर? अभी तक सारे भारत में जिन लोगों की संख्या धर्म की दृष्टि से कम है, उन्हें ही अल्पसंख्यक माना जाता है। इस पैमाने पर केंद्र सरकार ने मुसलमानों, ईसाइयों, पारसियों, सिखों, बौद्धों और जैनियों को अल्पसंख्यक होने की मान्यता दे रखी है। यह मान्यता इन लोगों पर सभी प्रांतों में भी लागू होती है। जिन प्रांतों में ये लोग बहुसंख्यक होते हैं, वहां भी इन्हें अल्पसंख्यकों की सारी सुविधाएं मिलती हैं। ऐसे समस्त अल्पसंख्यकों की संख्या सारे भारत में लगभग 20 प्रतिशत है। अब अदालत में ऐसी याचिका लगाई गई है कि जिन राज्यों में हिंदू अल्पसंख्यक हैं, उन्हें वहां भी बहुसंख्यक क्यों माना जाता है?

जैसे लद्दाख, मिजोरम, लक्षद्वीप, कश्मीर, नागालैंड, मेघालय, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में हिंदुओं की संख्या सिर्फ 1 प्रतिशत से लेकर ज्यादा से ज्यादा 41 प्रतिशत है। इन राज्यों में उन्हें अल्पसंख्यकों को मिलनेवाली सभी सुविधाएं क्यों नहीं दी जातीं? यही बात भाषा के आधार पर भी लागू होती है। यदि महाराष्ट्र में कन्नड़भाषी अल्पसंख्यक माने जाएंगे तो कर्नाटक में मराठीभाषी अल्पसंख्यक क्यों नहीं कहलाएंगे? यदि अल्पसंख्यकता का आधार भाषा को बना लिया जाए तो भारत के लगभग सभी भाषाभाषी किसी न किसी प्रांत में अल्पसंख्यक माने जा सकते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय इस मुद्दे पर जो बहस चलाएगा, वह बंधे-बंधाए घेरे में चलाएगा और उक्त कुछ राज्यों में हिंदुओं को शायद वह अल्पसंख्यकों का दर्जा भी दे दे। लेकिन यह अल्पसंख्यकवाद ही मेरी राय में त्याज्य है। देश के किसी भी व्यक्ति को जाति, धर्म और भाषा के आधार पर अल्पसंख्यक या बहुसंख्यक का दर्जा देना अपने आप में गलत है। यदि यह राज्यों में भी सभी पर लागू कर दिया गया तो यह अनगिनत मुसीबतें खड़ी कर देगा। हर वर्ग के लोग सुविधाओं के लालच में फंसकर अपने आप को अल्पसंख्यक घोषित करवाने पर उतारु हो जाएंगे। इसके अलावा राज्यों का नक्शा बदलता रहता है। जो लोग किसी राज्य में आज बहुसंख्यक हैं, वे ही वहां कल अल्पसंख्यक बन सकते हैं। जाति, धर्म और भाषा के आधार पर लोगों को दो श्रेणियों में बांटकर रखना राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से भी उचित नहीं है। अपने आप को ये लोग भारतीय कहने के पहले फलां-फलां जाति, धर्म या भाषा का व्यक्ति बताने पर आमादा होंगे। यह सांप्रदायिक और सामाजिक बंटवारा हमारे लोकतंत्र को भी अंदर से खोखला करता रहता है।

वेद प्रताप वैदिक

> **क्या नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली संस्था 'पुलिस' में घटी इतनी बड़ी दुर्घटनाओं में नागरिकों की इतनी कम दिलचस्पी चिंताजनक नहीं है? या आम नागरिक पुलिस वालों की जिंदगी को इतना महत्व भी नहीं देते कि 24 घंटों के भीतर अकाल काल कवलित हुई तीन बेशकीमती जिंदगियों के लिए कुछ देर ठहरकर सोचें कि ऐसा क्यों कर हुआ और ऐसे उपाय करें कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो।**

पुलिस प्रशिक्षण को महत्व देने का समय

विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी

पिछले दिनों चौबीस घंटों के भीतर तीन अलग-अलग ओहदे के पुलिसकर्मियों की वाहनों से कुचलकर की गई हत्याओं को क्या महज संयोग माना जाना चाहिए? यह प्रश्न इसलिए और महत्वपूर्ण हो जाता है कि ये हत्याएं देश के तीन राज्यों में हुईं, जिनमें अलग-अलग दलों या गठबंधन की सरकारें हैं। शायद यही कारण था कि इन पर कोई राजनीतिक बयानबाजी नहीं हुई, पर यह भी नहीं हुआ कि इन्हें लेकर विधायी सदनों या मीडिया में कोई गंभीर बहस हुई हो।

हरियाणा में नूह के निकट पुलिस उपाधीक्षक सुरेंद्र सिंह बिश्नोई, झारखंड की राजधानी रांची में महिला सब-इंस्पेक्टर संध्या टोपनो और गुजरात के आणंद जिले में कांस्टेबल किरण राज ड्यूटी के दौरान मारे गए। तीनों दुर्घटनाओं की परिस्थितियां एक जैसी ही थीं। तीनों में अपराधी तेज रफ्तार वाहनों में भागने की कोशिश कर रहे थे, तीनों में मौके पर मौजूद पुलिस वालों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया और तीनों ही जगह ड्राइविंग सीट पर बैठे दुस्साहसिक चालकों ने उन्हें कुचल दिया। एक बात स्पष्ट है, जाहिरा तौर पर इन घटनाओं में आपस में कोई संबंध न होते हुए भी समाजशास्त्र के किसी गंभीर विद्यार्थी को इनमें बड़े दिलचस्प अंतरसंबंध मिल सकते हैं।

सबसे पहले हमें पिछले सात दशकों में पुलिस और जन-सामान्य के रिश्तों में आए बदलाव को समझना होगा। आजादी के पहले पुलिस और जनता के बीच के रिश्ते कुछ वैसे ही थे, जिनकी किसी औपनिवेशिक समाज में अपेक्षा की जा सकती है। उन दिनों हिंदीभाषी इलाकों की लोककथाओं या लोकगीतों में एक मुहावरा जनता की जुबान पर चढ़ा हुआ मिलता है, जिसके अनुसार, गांव में खाकी पगड़ी दिखते ही पूरा गांव खाली हो जाता था और लोग आसपास के जंगलों में भाग जाते थे। बाद के कुछ दशकों तक इस स्थिति में कोई उल्लेखनीय बुनियादी फर्क नहीं पड़ा। स्वाभाविक था, एक नए बन रहे लोकतांत्रिक समाज में जनता बहुत दिनों तक पुलिस से अपने ऐसे रिश्ते नहीं स्वीकार कर सकती थी। परिवर्तन शुरू हुए, पर बहुत धीरे-धीरे। मैंने उत्तर प्रदेश के एक मुख्यमंत्री को एलानिया कहते सुना है कि पुलिस का इकबाल तो उसकी हनक से कायम होता है। यह वही हनक है, जिसके चलते जनता गांव छोड़ जंगलों में भाग जाती थी। यह अलग बात है, लोकतंत्र के चलते सार्वजनिक रूप से इस सोच का समर्थन करने वाले कम होते गए हैं।

इन दुर्घटनाओं के पीछे सबसे पहले हमें इसी मानसिकता को समझना होगा। हमारा औसत पुलिसकर्मी क्या अब भी यह नहीं सोचता कि उसके तन पर खाकी देखते ही अपराधी जड़ हो जाएगा और अपना वाहन बंद कर देगा? वह भूल जाता है कि अब यथार्थ बदल चुका है। वाहनों के इंजन ज्यादा ताकतवर हैं और उन्हें चलाने वाले व्यक्ति के मन से पुलिस का पारंपरिक खौफ खत्म हो चुका है। तीनों घटनाओं में अतिरिक्त आत्मविश्वास से लबरेज पुलिसकर्मी इसी भ्रम में मारे गए कि उनके इशारा करते ही वाहन रुक जाएंगे।

किसी वर्दीधारी संगठन में, जिसे हथियार दिए गए हैं, प्रशिक्षण सबसे महत्वपूर्ण होता है। सेना में तो हर यूनिट की दीवार पर एक उद्धरण लिखा दिखता है, जिसका संदेश है कि प्रशिक्षण में जितना पसीना बहाया जाएगा, युद्धक्षेत्र में उतना ही खून बचेगा। दुर्भाग्य से पुलिस में सबसे उपेक्षित क्षेत्र प्रशिक्षण ही है। ऊपर वर्णित तीनों घटनाओं का गहराई से अन्वेषण किया जाए, तो सिखलाई की कमियां बड़ी स्पष्ट दिखेंगी और बिना सही सिखलाई के सशस्त्र बलों की कोई टुकड़ी किसी भीड़ से बेहतर नहीं होती।

पुलिस और कानून-व्यवस्था संविधान के अनुसार, राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आने वाला विषय है। राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारें आती-जाती रही हैं, पर यह बिना अपवाद कहा जा सकता है कि किसी भी दल के लिए पुलिस प्रशिक्षण महत्वपूर्ण नहीं रहा है। अमूमन प्रशिक्षण केंद्रों पर बतौर सजा नियुक्तियां की जाती हैं और बिना रुचि वाले अधिकांश प्रशिक्षक अपने प्रशिक्षुओं को कितना पेशेवर बना पाते होंगे, इसकी कल्पना ही की जा सकती है।

मानक संचालन प्रक्रिया या एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर), एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसका इन तीनों घटनाओं में उल्लंघन हुआ दिखता है। एसओपी किसी अनुशासित समूह के लिए इसलिए भी आवश्यक है कि उसकी कोई भी कार्रवाई शून्य में नहीं होती। हर क्रिया पर समूह के किसी अन्य सदस्य को भी हरकत करनी होती है, इसीलिए एक एसओपी बनाई जाती है। हरियाणा के किसी भी जिले में अवैध खनन पर छापा मारने के पहले पुलिस कंट्रोल रूम या किसी उच्चाधिकारी को सूचित करना एसओपी का हिस्सा होगा, ताकि जरूरत पड़ने पर आवश्यक बल भेजे जा सकें। जितनी जानकारियां सार्वजनिक हुई हैं, उनसे तो लगता नहीं कि इस जरूरी प्रक्रिया का पालन किया गया। खबरों के अनुसार, पुलिस उपाधीक्षक अवैध खनन की सूचना मिलते ही कुछ सहकर्मियों के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। बिल्कुल ऐसे ही महिला सब इंस्पेक्टर ने पशु तस्करी के आरोपी ट्रक को अकेले दम पर रोकने का प्रयास किया। कांस्टेबल किरण ने ट्रक को क्यों रोकना चाहा, यह स्पष्ट नहीं है, पर उन्होंने भी पेशेवर आचरण का उल्लंघन किया। मुमकिन है, समय की कमी या गोपनीयता की वजह से इन पुलिसकर्मियों ने जरूरी सावधानियां न बरती हों, पर इतना तो प्रथम दृष्टया साफ है कि सामान्य सी एसओपी का पालन किसी में नहीं किया गया।

हमें थोड़े-थोड़े अंतराल पर पुलिसकर्मियों की ऐसी अस्वाभाविक मृत्यु की खबरें मिलती रहती हैं, पर एक छोटी सी अवधि में अलग-अलग प्रदेशों में तीन पुलिसकर्मियों की हत्या विचलित करने वाली है। ये घटनाएं पुलिस प्रशिक्षण की खामियों और पुलिस को बेहतर पेशेवर संस्था बनाने की जरूरत को रेखांकित करती हैं। अभी तक तो इन दुर्घटनाओं पर कोई गंभीर बहस होती दिख नहीं रही है। क्या नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली संस्था 'पुलिस' में घटी इतनी बड़ी दुर्घटनाओं में नागरिकों की इतनी कम दिलचस्पी चिंताजनक नहीं है? या आम नागरिक पुलिस वालों की जिंदगी को इतना महत्व भी नहीं देते कि 24 घंटों के भीतर अकाल काल कवलित हुई तीन बेशकीमती जिंदगियों के लिए कुछ देर ठहरकर सोचें कि ऐसा क्यों कर हुआ और ऐसे उपाय करें कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पार्थ प्रकरण से आखिर कैसे उबरेंगी ममता बनर्जी

प्रभाकर मणि तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) के जरिये होने वाली नियुक्तियों में कथित घोटाले की जांच करने वाले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हाथों तृणमूल कांग्रेस सरकार के उद्योग मंत्री और पार्टी महासचिव पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी से राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका निभाने का सपना देख रहीं ममता बनर्जी को झटका लगा है। हालांकि, ऊपरी तौर पर पार्टी ने दोषी साबित होने तक पार्थ के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने की बात कही है, पर इस मामले ने तृणमूल कांग्रेस में उथल-पुथल मचा दी है। ममता बनर्जी ने भ्रष्टाचार को बर्दाश्त न करने की बात कही है, पर साथ ही अपने खिलाफ दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई की बात भी जोड़ दी है। बहरहाल, 21 जुलाई को शहीद रैली के जरिये केंद्र सरकार पर जोरदार हमला करके 2024 के लोकसभा चुनावों की तैयारी करने वाली ममता फिलहाल बैकफुट पर हैं। सवाल 2024 के आम चुनाव का ही नहीं है। राज्य में अगले साल पंचायत चुनाव होने वाले हैं और कहा जाता है कि पश्चिम बंगाल में सत्ता का रास्ता ग्रामीण इलाकों से होकर ही निकलता है। यही ममता की चिंता का प्रमुख विषय है।

पिछले साल विधानसभा चुनाव में भारी जीत के बाद ममता ने राष्ट्रीय राजनीति में धमाकेदार तरीके से उतरने की मुहिम छेड़ी थी। उन्होंने कई बार विपक्षी नेताओं को गोलबंद करने का प्रयास किया, पर कांग्रेस आलाकमान से दूरियां बढ़ने के कारण उनकी कवायद परवान न चढ़ सकी। फिर भी, उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी है। चाहे राष्ट्रपति चुनाव में यशवंत सिन्हा को विपक्ष का साझा उम्मीदवार बनाने का मामला हो या उप-राष्ट्रपति चुनाव में मतदान से अलग रहने का फैसला, ममता तमाम दलों को अपनी अहमियत बताती रही हैं। मगर राज्य के इस नए घटनाक्रम ने उनकी राह में एक कठिन बाधा खड़ी कर दी है। वह विपक्ष के दबाव में पार्थ चटर्जी के खिलाफ कार्रवाई नहीं करना चाहतीं, पर अपने मंत्री के कारनामे से उनकी नाराजगी भी बढ़ी है। भ्रष्टाचार के आरोप भले ही मंत्री पर हों, मगर इसके छींटे तो ममता के दामन पर भी पड़े हैं।

वैसे, चिटफंड समेत विभिन्न घोटालों में तृणमूल सरकार के मंत्रियों, सांसदों और वरिष्ठ नेताओं से पूछताछ या उनकी गिरफ्तारी कोई नई बात नहीं है। मगर ममता बनर्जी समेत पार्टी के तमाम नेता इसके लिए केंद्र सरकार व भारतीय जनता पार्टी की 'बदले की राजनीति' को जिम्मेदार ठहराते रहे हैं। ममता ने 21 जुलाई की रैली में भी यही आरोप दोहराए थे। लेकिन इसके अगले ही दिन पार्थ चटर्जी से करीब 27 घंटे की पूछताछ, उनकी करीबी महिला के घर से लगभग 22 करोड़ नकदी मिलने और उसके बाद दोनों की गिरफ्तारी ने पार्टी नेतृत्व को किंकर्तव्यविमूढ़ कर दिया है।

ममता को विपक्ष के हमलों के साथ-साथ पार्थ की गिरफ्तारी के बाद पार्टी के भीतर मची उथल-पुथल से भी निपटना है। पार्टी के ज्यादातर नेता चाहते हैं कि उनको मंत्रिमंडल से हटा दिया जाए। उनकी दलील है कि यह मामला जितना लंबा खिंचेगा, विपक्ष के पास तृणमूल के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा बना रहेगा। इसीलिए पार्टी इस मामले की त्वरित और समयबद्ध जांच की मांग उठा रही है। बंगाल में चिटफंड और पशु तस्करी समेत तमाम घोटाले की सीबीआई या ईडी जांच अब तक परवान नहीं चढ़ सकी है। तृणमूल को अंदेशा है कि विपक्ष कम से कम साल 2024 के आम चुनाव तक इस मामले को खींचना चाहेगा। पार्टी में नंबर दो की हैसियत रखने वाले ममता के भतीजे सांसद अभिषेक बनर्जी और पार्थ चटर्जी के आपसी रिश्तों की तल्खी किसी से छिपी नहीं है। इस मामले के सामने आते ही अभिषेक ने पार्थ को मंत्रिमंडल से दूर रखने की मांग उठाई थी, लेकिन तृणमूल के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने ममता के ऐसे कान भरे कि अभिषेक की एक न चली।

इस पूरे घटनाक्रम से सरकार और पार्टी में पार्थ की अहमियत का भी पता चलता है। फिलहाल नजरें ममता बनर्जी पर हैं कि पार्टी के नेताओं के दबाव में वह पार्थ के खिलाफ कार्रवाई करती हैं या इसके लिए अदालत से उनके दोषी पाए जाने तक इंतजार करती हैं? यह अहम सवाल है, क्योंकि इसका जवाब तृणमूल कांग्रेस की राजनीति का भविष्य तय कर सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

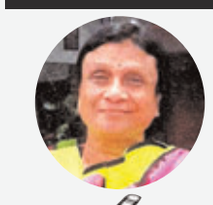

गम हो या ज्ञान का
अंधकार छंट ही जाएंगे,
बादल हवा में उड़
जाएंगे धुंध बनकर, जब
होगा ज्ञान का उजाला
फिर होगा चारों तरफ
सवेरा ही सवेरा।

-अंजली जैन
7024460938

एमएसपी की कमेटी तो बनी, होगा क्या?

अजीत द्विवेदी

तीन विवादित कृषि कानूनों को वापस लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर 2021 को किसानों से वादा किया था कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर किसानों की मांगों पर विचार करने के लिए जल्दी ही एक कमेटी बनाई जाएगी। उस घोषणा के आठ महीने बाद कमेटी बन गई है। वैसे कमेटी का गठन 12 जुलाई को हो गया था लेकिन उसकी अधिसूचना एक हफ्ते बाद 18 जुलाई को सार्वजनिक हुई। कमेटी का जो एजेंडा बनाया गया है और जिस तरह के लोगों को कमेटी में शामिल किया गया है उसे देख कर लग रहा है कि इससे कुछ हासिल नहीं होने वाला है। यह कमेटी एक तरह से किसानों को उलझाए रखने का जरिया बनेगी। जैसे आंदोलन के समय किसानों के साथ सरकार की वार्ताएं होती थीं और कुछ नतीजा नहीं निकलता था वैसे ही इस कमेटी की वार्ताओं में भी होगा। कमेटी के गठन के साथ ही कई कारण दिख रहे हैं, जिनसे लग रहा है कि यह कमेटी किसानों की मांग के साथ न्याय नहीं कर पाएगी या इसका फेल होना तय है।

सबसे पहला कारण तो यह है कि इसे सरकारी बाबुओं की कमेटी बना दिया गया है। अध्यक्ष के साथ साथ केंद्र व राज्य सरकार के दर्जनों अधिकारी इसके सदस्य होंगे। इसके अध्यक्ष कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव रहे संजय अग्रवाल हैं और उनके साथ साथ नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद को इस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। सोचें, रमेश चंद तीनों विवादित कानूनों का मसौदा तैयार करने वालों में थे और संजय अग्रवाल के सचिव रहते उन्हें लागू किया गया था। प्रधानमंत्री द्वारा तीनों कानूनों को वापस लेने की घोषणा से ठीक पहले तक ये दोनों लोग कानूनों का बचाव कर रहे थे। जब प्रधानमंत्री ने बिना शर्त तीनों विवादित कानूनों को वापस ले लिया तब इन्होंने चुप्पी साध ली। लेकिन अब सरकार किसानों की एक अहम मांग पर विचार के लिए कमेटी में इन दोनों को लेकर आई है। सवाल है कि जब किसान आंदोलन के समय हर बार उनके साथ वार्ता राजनीतिक नेतृत्व की हुई तो अब क्यों पूर्व कृषि सचिव वार्ता करेंगे? अगर सरकार गंभीर होती तो कमेटी का नेतृत्व राजनीतिक व्यक्ति को दिया जाता और उसमें सदस्य सचिव की तरह किसी अधिकारी को रखा जा सकता था।

इस कमेटी के फेल होने का दूसरा कारण यह है कि इसमें बड़ी संख्या में ऐसे लोगों को शामिल किया गया है, जो भाजपा या राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ या ऐसे कृषि व सहकारी संगठनों से जुड़े हैं, जो सरकार का समर्थन करती हैं। इसमें संयुक्त किसान मोर्चा के लिए तीन सदस्यों की जगह छोड़ी गई है, जो उनकी ओर से नाम दिए जाने के बाद भरी जाएगी। सवाल है कि जब चार-पांच दूसरे किसान संगठनों के सदस्यों के नाम इसमें शामिल करके उनकी घोषणा कर दी गई है तो उसी तरह कमेटी के गठन से पहले संयुक्त किसान मोर्चा से बात करके उनके तीन नाम लेकर एक साथ ही घोषणा क्यों नहीं की गई? आखिर भारतीय कृषक समाज या शेतकरी संगठन या भारतीय किसान संघ सहित जिन किसान संगठनों के लोगों के नाम घोषित किए गए हैं उनसे भी तो पहले बातचीत हुई होगी? क्या जिन लोगों के नाम घोषित किए गए हैं वे सरकार को अपने अनुकूल लगे इसलिए उनका नाम पहले घोषित हो गया और संयुक्त किसान मोर्चा को बाद के लिए छोड़ दिया गया?

तीसरा कारण यह है कि इस कमेटी में बहुत से लोग सदस्य हैं। इसमें कई दर्जन सदस्य बनाए गए हैं। कई किसान संगठनों के लोग इसमें सदस्य हैं तो कई सहकारी संगठनों के लोगों को भी इसमें शामिल किया गया है। कृषि वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालय से जुड़े अध्येता, केंद्र सरकार के अधिकारी और राज्य सरकारों के अनेकानेक अधिकारी इसमें शामिल किए गए हैं। केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर जिन अधिकारियों को सदस्य बनाया गया है वे पदेन हैं। यानी अधिकारी बदलेंगे तो सदस्य बदल जाएगा। सोचें, ऐसी कमेटी क्या काम करेगी? वैसे भी जिस कमेटी में बहुत ज्यादा सदस्य होते हैं वह नतीजे नहीं दे पाती है।

इसके फेल होने का चौथा कारण यह है कि इसके लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है कि कमेटी कब तक सिफारिश करेगी। यानी कमेटी की बैठकें अनंतकाल तक चलती रह सकती हैं। पांचवां कारण यह है कि इसकी सिफारिशें केंद्र सरकार पर बाध्यकारी नहीं हैं यानी कमेटी सिर्फ अनुशंसा करने का काम करेगी और उसे मानना या न मानना सरकार पर निर्भर है। इसके विफल होने का छठा कारण यह है कि कमेटी को सिर्फ एमएसपी पर विचार नहीं करना है, बल्कि कृषि से जुड़े अनेक मसलों पर विचार करना है। आंदोलन करने वाले किसान एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग कर रहे थे।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स
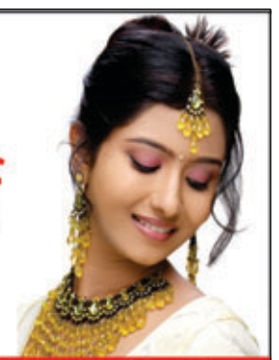
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

आजादी का अमृत महोत्सवः छत्तीसगढ़ से विद्यार्थियों का चयनित दल आनंद-गुजरात के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आजादी का अमृत महोत्सव एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से 50 विद्यार्थी एवं चार सहयोगी शिक्षक सहित कुल 54 प्रतिभागी 24 जुलाई 2022 को प्रातः 4.05 बजे आनंद गुजरात हेतु दुर्ग से रवाना हो गए हैं। विद्यार्थियों और शिक्षकों का यह दल दुर्ग से पूरी गांधीधाम सुपरफास्ट ट्रेन से रवाना हुआ। यह दल गुजरात राज्य के 5 दिवसीय भ्रमण पर रहेगा। वहां कार्यक्रम के तहत प्रत्येक दिवस अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। गुजरात में इंस्टीट्यूट आफ रूरल मैनेजमेंट आनंद छत्तीसगढ़ राज्य के विद्यार्थियों का मेजबानी करेगा।

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम अंतर्गत गुजरात के 5 दिवसीय भ्रमण पर रहेगा दल

गौरतलब है कि एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम भारत में राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने मानव संसाधन विकास मंत्रालय स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम है। कार्यक्रम के अंतर्गत भारत के समस्त राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को एक दूसरे के साथ मैट्रिक्स कर जोड़ा गया है। छत्तीसगढ़ राज्य का साझा राज्य गुजरात राज्य है।

इसके तहत दल में शामिल 50 विद्यार्थियों में से 25 विद्यार्थी स्कूल शिक्षा विभाग और 25 विद्यार्थी उच्च शिक्षा विभाग से चयनित हैं। टीम 30 जुलाई 2022 को ट्रेन से वापसी कर रात्रि 10.30 बजे दुर्ग स्टेशन पहुंचेगी। उक्त कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा विभाग से चयनित विद्यार्थियों में रायपुर, दुर्ग, कांकेर तथा बालोद से 4-4 विद्यार्थी और बेमेतरा से 3 विद्यार्थी सहित केंद्रीय विद्यालयों से 3 विद्यार्थी तथा नवोदय विद्यालय से 3 विद्यार्थी चयनित हैं।

उक्त टीम के साथ सहयोगी शिक्षक के रूप में सीएससी शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मठपारा रायपुर के शिक्षक श्री विक्रम कुमार त्यागी तथा शिक्षक पीजी उमाठे, कन्या पूर्व माध्यमिक शाला शांति नगर रायपुर श्रीमती रीता मंडल शामिल हैं। प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा श्री नरेंद्र कुमार दुग्गा ने टीम को सफल भ्रमण हेतु शुभकामनाएं दी है। कार्यक्रम प्रभारी सहायक संचालक, समग्र शिक्षा श्री अजय पिल्लई, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, समग्र शिक्षा राज्य परियोजना कार्यालय श्रीमती नीलम कुशवाहा ने भ्रमण को मूर्त रूप देने में सहयोग किया।

मन के मलों का त्याग करों परमात्मा बन जाओगे : आचार्य विशुद्ध सागर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सन्मति नगर फाफाडीह की चातुर्मासिक धर्मसभा में सोमवार को आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने कहा कि आपको असमान जाति पर्याय को समझना होगा। आप अपने शरीर के अंदर के मलों को बुद्धिपूर्वक हटाते हो। आपके मन में क्रोध होता है,मायाचारी होती है। आपके मन में लोभ कषाय आता है, अहंकार आता है। आपके मन में ही काम आदि के विकार आते हैं। आप जैसे मल को त्याग देते हो वैसे ही चित के अंदर के इन मल को छोड़ दो तुम भगवान बन जाओगे। जिसे आप अपनी वस्तु स्वीकारते हो, उसे जैसे बुद्धिपूर्वक छोड़ते हो, ऐसे तुम्हारे चित में बहुत सारी वस्तुएं हैं, इसलिए अपने पर होने पर भी स्वीकार नहीं करना चाहिए।

आचार्यश्री ने कहा कि आपका ज्ञान विशाल है, फिर भी अज्ञान है। जितना आप जानते हो उतना शास्त्र पढ़कर नहीं जान सकते। शास्त्रों की एक सीमा है,लेकिन आपका ज्ञान उससे असीम है। आपका ज्ञान विशाल होने पर भी अज्ञान हो, क्योंकि मोह से ढका हुआ ज्ञान है,मोह से सना हुआ ज्ञान है। नय विद्या बहुत बड़ी कला है। इस कला को जो समझता है वह संसार की कलाओं से दूर हो जाता है। राज्य और वैराग्य को एक साथ नहीं संभाला जा सकता। राज्य संभालोगे तो वैराग्य बिखर जाएगा और वैराग्य संभालोगे तो राज्य बिखर जाएगा। धन,धरती व धारा से जब तक किनारा नहीं होगा, तब तक भव किनारा नहीं मिल सकता। जिसके मस्तिष्क में धन, धरती और धरा का प्रचंड राग है इस धरा पर ही धरे रह जाएंगे,सिद्धशिला पर नहीं पहुंचेंगे। मुनिश्री यशोधर सागर ने कहा कि निज आत्मा परब्रह्म है। संसार की प्रत्येक आत्मा भगवान बनने की शक्ति रखती है। चाहे वह एक इंद्रिय से लेकर पंच इंद्रिय तक कोई भी आत्मा हो,लेकिन भगवान तभी बनेगी जब जैनेश्वरी दीक्षा लेकर स्वयं पुरुषार्थ करेगी। संसार में अनेकों जीव और प्राणी भ्रमण कर रहे, लेकिन स्वयं को नहीं पहचान पाए। राग द्वेष में लिप्त हैं,न जाने कौन-कौन से पर्याय में गए। अपनी आत्मा को नहीं पहचान पाए इसलिए संसार में भ्रमण कर रहे। जिन्होंने अपनी आत्मा को पहचाना है परमात्मा बन गए। निज की आत्मा को समय देना आप आरंभ करों। निज की आत्मा का ध्यान करों। अपने जीवन में यदि भगवान बनना है तो निज की आत्मा से मिलों। जीवन में आत्मा का कल्याण करना है तो रोज कम से कम 5 मिनट के मौन का नियम लें। मुनिश्री की इस बात पर धर्मसभा में कई लोगों ने नियम भी लिया।

विशुद्ध वर्षा योग समिति के अध्यक्ष प्रदीप पाटनी और महामंत्री राकेश बाकलीवाल ने बताया कि आज मंगलाचरण सीमीत जैन झांसी ने किया। दीप प्रज्वलन प्रभातजी पारस धाम,सुरेंद्र पाटनी, अरविंद जैन वैशाली नगर,रौनकजी गया, नरेश पाटनी, संदीप बंडी, सुमीत पांड्या हैदराबाद ने किया। आचार्यश्री के सानिध्य में पारसधाम दुर्ग में 10 से 14 नवंबर तक महा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव होगा। इसके लिए प्रभात जी अरविंद जी वैशाली नगर एवं भिलाई,दुर्ग, रायपुर के सभी सहयोगीजनों ने श्रीफल भेंट किया। धर्मसभा में उपस्थित सभी गुरु भक्तों ने आचार्यश्री को अर्घ्य समर्पित कर आशीर्वाद लिया।

खास खबर

कांवर में जल भरकर देवगढ़ धाम पहुंचे हजारों कांवरिये

सूरजपुर। पवित्र श्रावण मास के दूसरे सोमवार को जिला मुख्यालय से सोमवार को तड़के हजारों कांवरियों की भीड़ जिला मुख्यालय के छठ घाट में रेड नदी के तट से कांवड़ में जल भरकर कांवरियों की भीड़ शाम को देवगढ़ धाम पहुंची। जहां वे मंगलवार को शिवरात्रि के तड़के वैदिक मंत्रोंचारणों के बीच अर्धनारेश्वर शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे। कांवरियों के लिए शिव भक्तों ने जगह जगह जलपान एवं भोजन किए व्यवस्था की थी। 28 वर्ष की परंपरा का निर्वहन करते हुए हजारों शिवभक्त कांवरियों की भीड़ सोमवार को तड़के उत्तरवाहिनी रेणुका नदी के तट पर जिला मुख्यालय स्थित छठ घाट पहुंची। हजारों कांवरियों का जत्था रेणुका नदी से कांवड़ में जल भरकर भोले बाबा का जयकारा लगाते हुए देर शाम देवगढ़ धाम पहुंचा। जहां वे इसी जल से मंगलवार को तड़के शिवरात्रि के दिन देवगढ़ धाम स्थित अर्धनारीश्वर शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे। मां कुदरगढ़ी सेवा परिवार का 25 वां वार्षिक महोत्सव सोमवार को देवगढ़ धाम में मनाया गया। आयोजन में मध्यप्रदेश से आये मेरे भारत का बच्चा-बच्चा जय-जय श्री राम बोलेगा की प्रेम इंडिया कलाकार पूजा गोल्हनी, प्रीति रजक, लक्ष्मी कोवर, विवेक ताम्रकार, शुभम गुप्ता नामक कलाकारों द्वारा भजनों की मनमोहक प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वही चंदन यादव एवं अनीश बैंड एंड म्यूजिकल ग्रुप भजनों की प्रस्तुति उत्कृष्ट रही। देवगढ़ धाम में 11 फीट ऊंचे शिवलिंग को बाबा बर्फानी का विशाल रूप दिया गया था। जो काफी मनमोहक और भक्तों के आकर्षण का केंद्र था। जिसका निर्माण महाराष्ट्र के कारीगरों द्वारा किया गया था। जिला मुख्यालय से कांवर लेकर पैदल देवगढ़ धाम जा रहे हजारों कांवरियों के लिए विभिन्न स्वयंसेवी व सामाजिक संगठनों द्वारा जलपान, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाएं निशुल्क की गई थी।

का हो गे बबा...ऐति आ न दई.. ए नोनी लान आवेदन ल...

श्रीकंचनपथ न्यूज

कलेक्टर का छत्तीसगढ़ी में संवाद, बढ़ा रही सरकार के प्रति विश्वास...

जांजगीर-चाम्पा । छत्तीसगढ़ी बोली की अपनी एक अलग पहचान है। शब्दों में मिठास होने के साथ अपनापन का भाव लिए यह बोली, बोलने और सुनने वालों के बीच एक अलग ही संबंध विकसित करती है। छत्तीसगढ़ की सरकार छत्तीसगढ़ियों की अस्मिता और स्वाभिमान को संरक्षित करने के साथ यहाँ की गौरवशाली परम्पराओं, तीज-त्यौहारों, संस्कृति को भी पुनर्जीवित कर आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। छत्तीसगढ़ी सरकार की यह झलक जिला प्रशासन में भी स्पष्ट देखी जा सकती है। जिले में सरकार के मंशानुरूप आम नागरिकों की समस्याओं को सुनने जनदर्शन का आयोजन भी किया जा रहा है।

इस दौरान कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा की छत्तीसगढ़ी में संवाद का हो गे बबा..., दई ऐति आ न..., ऐति आ बबा..., जैसे शब्द यहाँ आने वालों को न सिर्फ अपनापन का अहसास करा रहे हैं। उनकी समस्याओं के निराकरण होने की गुंजाइश को बढ़ाने के साथ सरकार के प्रति विश्वास को भी बढ़ाने का काम भी यह छत्तीसगढ़ी संवाद कर रही है।

जांजगीर-चाम्पा जिले में हर सोमवार को कलेक्टर जनदर्शन का आयोजन प्रातः 11 से दोपहर 1 बजे तक कलेक्ट्रेट में किया जाता है। कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा 4 जुलाई से अपनी पदस्थापना के पश्चात 11 जुलाई से हर सोमवार को लगातार जनदर्शन ले रहे हैं। चूंकि वे छत्तीसगढ़ में पले-बढ़े और पढ़े हैं, ऐसे में वे छत्तीसगढ़ियों और छत्तीसगढ़ी बोली से भलीभांति वाकिफ़ है। जनदर्शन और किसी ग्रामीण क्षेत्र के दौरे में वे किसी भी ग्रामीण और आम नागरिकों से सरल और सहज भाव से छत्तीसगढ़ी में बातचीत करते हैं। कलेक्ट्रेट में जनदर्शन के दौरान अनेक ग्रामीण आते हैं। वे सीधे कलेक्टर से मिलने में हिचकिचाते भी हैं। संकोचवश कई ग्रामीण आवेदन लेकर कलेक्टर को दूर से देखते रहते हैं। इस दौरान कलेक्टर श्री सिन्हा की नज़र उन पर पड़ती है तो वे स्वयं ही ग्रामीणों को अपने पास आने के लिए बुलाने लगते हैं। छत्तीसगढ़ी में ए बबा ऐति आ न, का हो गे बबा, ऐ दई आ न..का आवेदन हवय, बता न.., ए नोनी लान आवेदन ल.., तोर का हो गे बबा, का समासिया हे..., का हो गे जी.., हो जाही... चिन्ता झन कर, कहा चलत हे केस...। कुछ ऐसे ही शब्दों का प्रयोग कर वे ग्रामीणों के संकोच को पल में दूर करते हुए उनकी समस्याओं को बहुत करीब से जानने की कोशिश करते हैं और उन्हें सही रास्ता बताते हुए समस्याओं का समाधान करने की कोशिश करते हैं। वे आवेदनों को पढ़कर संबंधित अधिकारियों को भी तत्काल फोन लगाकर सूचित करते हैं और आवेदक के आने पर उनकी समस्या का निराकरण करने के निर्देश देते हैं। कलेक्टर की इस आत्मीयता भरे संवाद से हताश और निराश होकर जनदर्शन में आए ग्रामीणों और आवेदकों को एक सही जानकारी मिल पाती है और शासन-प्रशासन सहित किसी विभाग के योजनाओं को लेकर उनके भीतर बना भ्रम भी एक सकारात्मक सोच में बदल जाता है।

जनदर्शन में 65 आवेदन प्राप्त

कलेक्टर जनदर्शन में आज कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा द्वारा आम नागरिकों की समस्याएं सुनी गई। अलग-अलग क्षेत्रों से आए लोगों ने कलेक्टर को आवेदन देकर उसके निराकरण की मांग की। अधिकांश आवेदन राजस्व, आर्थिक सहायता, पेंशन, शिकायत एवं व्यक्तिगत से संबंधित थे। जनदर्शन में आवेदक श्री राजेश यादव ने पटवारी द्वारा गलत व त्रुटिपूर्ण सीमांकन करने के शिकायत की। आवेदक अशोक कुमार ने आरबीसी 6-4 की स्वीकृत राशि प्राप्त नहीं होने की शिकायत की। इसी तरह ग्राम सुलौनी की नानकुन बाई ने जमीन पर बहु के नाम पर करने की शिकायत, ग्राम तिलाई की रजिना बंजारे ने सहायता राशि दिलाने, ग्राम नवांगांव के कन्हैयालाल राठौर ने धान के खरीफ फसल के हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति राशि दिलाने, ग्राम पड़रिया दल्हा के संतकुमार ट्रायसाइकिल, ग्राम पचोरी वासियों ने रोड किनारे बेजा कब्जा हटाने, संगीता नेताम ने रोजगार, ग्राम झरफ निवासी महेश्वरीबाई ने ट्रायसाइकिल के संबंध में आवेदन दिया। जनदर्शन में कुल 65 आवेदन प्राप्त हुए।

महिला आयोग की सदस्य सुश्री शशीकांता ने प्रकरण की सुनवाई की

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छ.ग. राज्य महिला आयोग की सदस्य सुश्री शशीकांता राठौर द्वारा 22 जुलाई को क्षेत्रीय कार्यालय कलेक्ट्रेट परिसर जांजगीर में महिला आयोग में प्रकरण की सुनवाई की गई। प्रकरण में अनावेदकगण (पति, जेठानी) द्वारा आवेदिका एवं उसके पुत्र को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर घर से निकाल दिये जाने एवं भरण-पोषण राशि नही दिये जाने से संबधित शिकायत की।

पूर्व पेशी में ए.एस.पी. पद्मश्री तंवर मैडम को प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही हेतु सौंपा गया था तथा आवेदिका को कार्यालय में अपने प्रकरण से संबंधित हुई कार्यवाही से अवगत कराये जाने का निर्देश दिया गया था। शुक्रवार 25 जुलाई को सुनवाई के दौरान आवेदिका द्वारा बताया गया कि ए.एस.पी. पद्मश्री तंवर मैडम के कहने पर उसके पति के विरूद्ध चौकी नैला में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 294, 498-ए के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया है जो कि जांजगीर न्यायालय में लंबित है।

आवेदिका द्वारा बताया गया कि उसके द्वारा पति से भरण-पोषण दिलाए जाने बाबत आवेदन कुटुम्ब न्यायालय जांजगीर में प्रस्तुत किया गया है जो कि कुटुम्ब न्यायालय के समक्ष लंबित है। यह प्रकरण आयोग से नस्तीबद्ध किया गया।

भाजपा रोजगार के लिये मोदी सरकार के खिलाफ आंदोलन करे

रोजगार को लेकर भाजपा का आंदोलन राजनैतिक नौटंकी-कांग्रेस

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। बेरोजगारी को लेकर भाजपा के आंदोलन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कौन सी नैतिकता से भाजपा बेरोजगारी के नाम पर आंदोलन कर रही है? छत्तीसगढ़ रोजगार देने के मामले में देश में सबसे ऊंचे पायदान पर है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नये विश्वसनीय छत्तीसगढ़ मॉडल से 5 लाख से अधिक युवाओं के लिये रोजगार, स्वरोजगार और सरकारी नौकरी के द्वार खुले।

पूर्व के रमन सरकार 2018 में बेरोजगारी दर 22 प्रतिशत से ऊपर था आज बेरोजगारी दर 0.6 प्रतिशत है...

सत्ता परिवर्तन के पहले 2018 में जहां राज्य का बेरोजगारी दर 22 प्रतिशत से ऊपर था। आज छत्तीसगढ़ की बेरोजगारी दर 0.6 प्रतिशत है।

जबकि देश की बेरोजगारी दर 7.6 प्रतिशत है। छत्तीसगढ़ सरकार ने आने वाले 5 साल में 12 से 15 लाख युवाओं को रोजगार देने के लिये छत्तीसगढ़ रोजगार मिशन का गठन किया है। रमन राज में सरकारी नौकरी के बंद द्वार को भूपेश सरकार ने खोला।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा को आंदोलन मोदी सरकार के खिलाफ करना चाहिये। मोदी सरकार ने देश के युवाओं से रोजगार के मामले में भी धोखा दिया है। 2014 के पहले भाजपा ने गली-गली, गांव-गांव, शहर-शहर घूम कर युवाओं को केंद्र में सरकार बनने के बाद प्रति वर्ष दो करोड़ रोजगार देने का वादा और दावा किया था उसका क्या हुआ? अग्निपथ स्कीम में 4 साल की टेम्परेरी नियुक्ति दे रहे हैं? मोदी सरकार के 8 साल में 16 करोड़ रोजगार कहां गये? और 23 करोड़ हाथों से जो रोजगार छीना गया है उसके लिए कौन जिम्मेदार है? केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद बेरोजगारी के मामले में देश 45 साल पुराने स्थिति में खड़ी हुई है। 1 करोड़ 25 लाख महिलाओं के हाथ से काम छीना गया है 15,000 से अधिक उद्योगपति कारोबार समेट कर देश छोड़कर चले गए। केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों में अभी भी एक करोड़ से अधिक सरकारी पद रिक्त है उसमें भर्ती कब होगी? सरकारी नौकरी में भर्ती के नाम से निरंतर मोदी सरकार देश के युवाओं को ठग रही है और लूट रही है सरकारी पदों में भर्ती का विज्ञापन निकालकर देश के बेरोजगार युवाओं से 1300 करोड़ों सलाना मोदी सरकार कमाती है। केंद्र सरकार के पास देश के युवाओं को रोजगार देने का कोई रोडमैप नहीं है देश के 45 करोड़ युवा रोजगार की तलाश करते करते इतना हताश और परेशान हो गए हैं की अब वो रोजगार ढूंढना ही बंद कर दिए हैं।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 518.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 518.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 25 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1353.9 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 181.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 199.9 मिमी, सूरजपुर में 264.2 मिमी, जशपुर में 238.2 मिमी, कोरिया में 299.1 मिमी, रायपुर में 356.1 मिमी, बलौदाबाजार में 480.1 मिमी, गरियाबंद में 591.9 मिमी, महासमुंद में 516.1 मिमी, धमतरी में 635.6 मिमी, बिलासपुर में 535.5 मिमी, मुंगेली में 559.3 मिमी, रायगढ़ में 456.9 मिमी, जांजगीर-चांपा में 610.4 मिमी, कोरबा में 386.8 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 512.4 मिमी, दुर्ग में 503.8 मिमी, कबीरधाम में 484.9 मिमी, राजनांदगांव में 561.6 मिमी, बालोद में 661.0 मिमी, बेमेतरा में 362.5 मिमी, बस्तर में 677.3 मिमी, कोण्डागांव में 611.4 मिमी, कांकेर में 725.0 मिमी, नारायणपुर में 547.2 मिमी, दंतेवाड़ा में 693.8 मिमी और सुकमा में 520.8 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

महंगाई भत्ता और मकान भाड़ा भत्ता की मांग को लेकर कर्मचारियों ने किया धरना-प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर महंगाई भत्ता व मकान भाड़ा भत्ता की मांग को लेकर आरंग विकास खंड के कर्मचारी अधिकारियों ने सोमवार को जनपद पंचायत कार्यालय आरंग के सामने धरना प्रदर्शन किया। फेडरेशन आरंग के संयोजक माणिकलाल मिश्रा के नेतृत्व में अपनी पीड़ा एवं अधिकार के लिए अपने विचारों को रखा। इस दौरान व्याख्याता संघ प्रांतीय सचिव डी के राहंगडाले, ब्लॉक अध्यक्ष जीआर टंडन व स्वास्थ्य संयोजक फेडरेशन महा सचिव संतराम साहू,सचिव अनीता सोनी आदि उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि फेडरेशन अपनी 2 सूत्रीय मांग केंद्र के समान 34व महंगाई भत्ता एवं सातवें वेतनमान के अनुसार गृह भाड़ा भत्ता की मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन कर रहा है। तृतीय चरण मे 25 जुलाई से 29 जुलाई तक निश्चित कालीन पांच दिवसीय आंदोलन में है।

प्रदेश में बीते 10 दिनों में 16.25 लाख लोगों ने लगवाए प्रिकॉशन डोज

30 सितम्बर तक सभी सरकारी कोविड टीकाकरण केंद्रों में निःशुल्क लगाया जाएगा

स्वास्थ्य विभाग ने की अपील, सभी पात्र लोग जरूर लगवाएं प्रिकॉशन डोज

कोरोना वैक्सीन के दूसरे टीके के 6 माह बाद लगवा सकते हैं बूस्टर डोज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में पिछले दस दिनों (15 से 24 जुलाई) में कोरोना से बचाव के लिए 16 लाख 25 हजार 792 लोगों ने प्रिकॉशन डोज लगवाया है। राज्य के 24 लाख 95 हजार 168 नागरिकों ने अब तक (24 जुलाई तक) प्रिकॉशन डोज लगवा लिया है। कोविड वैक्सीनेशन अमृत महोत्सव के अंतर्गत 15 जुलाई से प्रदेश भर में 18 वर्ष से 59 वर्ष के लोगों को भी सभी सरकारी कोविड टीकाकरण केंद्रों पर निःशुल्क प्रिकॉशन डोज लगाया जा रहा है। पहले इन केंद्रों पर केवल स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और 60 वर्ष या इससे अधिक उम्र के व्यक्तियों को ही निःशुल्क प्रिकॉशन डोज लगाया जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सभी पात्र लोगों से प्रिकॉशन डोज अवश्य लगवाने की अपील की है।

देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर 75 दिनों तक चलने वाले कोविड वैक्सीनेशन अमृत महोत्सव के तहत आगामी 30 सितम्बर तक 18 वर्ष से 59 वर्ष के लोगों को कोविड वैक्सीन का बूस्टर डोज लगाया जाएगा। प्रदेश में इस अभियान के अंतर्गत 18 साल से अधिक उम्र के एक करोड़ 70 लाख पात्र लोगों को निःशुल्क प्रिकॉशन डोज लगाने का लक्ष्य रखा गया है। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सभी शासकीय अस्पतालों के साथ-साथ चिन्हांकित स्थलों पर कोविड वैक्सीन की बूस्टर डोज़ निःशुल्क लगाई जा रही है।

कोरोना टीकाकरण के राज्य नोडल अधिकारी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक विलास संदिपान भोसकर ने बताया कि अमृत महोत्सव के तहत प्रिकॉशन डोज की निःशुल्क सुविधा दी जा रही है। इसके लिए सभी जिलों को विशेष कार्ययोजना के संचालन के निर्देश दिए गए हैं। राज्य के सभी कोविड वैक्सीनेशन केंद्रों पर यह सुविधा दी जा रही है। ऐसे लोग जिन्हें कोविड वैक्सीन का दूसरा टीका लगाए छह माह या 26 सप्ताह पूर्ण हो चुके हैं, वे इन केन्द्रों पर जाकर निःशुल्क बूस्टर डोज लगवा सकते हैं। इसके लिए कोविन एप पर अपना पंजीयन करा सकते हैं टीकाकरण संबंधी किसी भी तरह की जानकारी के लिए निःशुल्क टोल फ्री नंबर 104 पर संपर्क कर सकते हैं।

हरेली से पहले शिवालयों में छाई हरियाली शिवलिंग के श्रृंगार से प्रकृति की रक्षा का संदेश

रायपुर (ए)। हरियाली के प्रतीक के रूप में मनाए जाने वाले हरेली अमावस्या पर्व को अभी तीन दिन शेष हैं, लेकिन इससे पहले ही सावन में शिवालयों में हरियाली छाई रही। सुबह से जलाभिषेक का सिलसिला चलता रहा। शाम को विविध मंदिरों में शिवलिंग का अलग-अलग रूप में श्रृंगार किया गया। शिवलिंग का श्रृंगार करके प्रकृति को बचाने का संदेश दिया गया। अनेक शिवालयों में केला वृक्ष, आमपत्ता, बेलपत्र, नीमपत्र, फूलों से श्रृंगार करके हरियाली को प्रदर्शित किया गया।

बूढ़ातालाब स्थित बूढ़ेश्वर मंदिर के प्रभारी ट्रस्टी राजेश व्यास ने बताया कि शिवलिंग का श्रृंगार शिवजी की जटा पर गंगा का अवतरण के रूप में किया गया। श्रद्धालुओं को प्रकृति के विविध रूप नदी, पहाड़, जंगल को बचाने का संदेश दिया गया। श्रृंगार में भगवान बूढ़ेश्वर नाथ का शिवलिंग तीन फीट का बनाकर रुद्राक्ष की माला से श्रृंगार किया गया।

बोल बम के जयकारे गूंज उठे

दूसरे सावन सोमवार को श्रद्धालुओं की सबसे ज्यादा भीड़ महादेवघाट स्थित हटकेश्वर महादेव मंदिर में दिखाई दी। यहां सुबह शिवलिंग का रुद्राभिषेक एवं सहस्त्राभिषेक करने श्रद्धालु पहुंचे। पंडितों ने विधिवत रुद्राभिषेक करवाया। विविध इलाकों से कांवरियों का दल बोल बम के जयकारे लगाते श्रद्धा भाव से निकला। भाठागांव चौक और अश्विनी नगर, अग्रसेन चौक पर कांवरियों का स्वागत कर जलपान, फलाहार कराया गया।

इंद्रदेव ने किया जलाभिषेक

विविध इलाकों के शिव मंदिरों में सुबह से जलाभिषेक करने के लिए महिलाओं, बुजुर्गों, युवतियों की कतार लगी रही। बूढ़ेश्वर मंदिर में शिवलिंग के ऊपर तांबे के बड़े पात्र में जल अर्पित किया गया। इसमें हजार छिद्रों से जल शिवलिंग पर अर्पित होता रहा। बारिश करने वाले देवता इंद्रदेव ने भी कहीं रिमझिम फुहारों और कहीं तेज बारिश करके खुले में विराजित शिवलिंग का जलाभिषेक किया। श्याम टाकीज के समीप गणेश, शिव, साईं मंदिर में दिनभर जलाभिषेक के पश्चात शाम को नील महादेव के रूप में श्रृंगार किया गया। इसी तरह टिकरापारा के नरहरेश्वर और कोतवाली चौक के नंदेश्वर, केलकरबाड़ी, नर्मदापारा के नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में भी प्रकृति के रूप में पेड़-पौधों से श्रृंगार किया गया। शाम से लेकर रात तक श्रृंगार दर्शन करने श्रद्धालु पहुंचते रहे। शयन आरती के पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया।

प्रतिबंध के बावजूद रायपुर में नही थम रहा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग

रायपुर (ए)। एक जुलाई से प्रतिबंध के बाद भी राजधानी में झिल्लियों में सामान लिए-दिए जा रहे हैं। बाजारों में चिल्हर और छोटे व्यापारियों पर कार्रवाई से अवश्य इनकी बिक्री कम हुई है, लेकिन निगम का ध्यान अब भी सप्लाई चेन रोकने पर नहीं है। चोरी-छिपे खरीदी-बिक्री हो रही है। इनके मूल्यों में भी चार गुना से अधिक की वृद्धि हो गई है।

जुर्माने के डर से चोरी-छिपे दे रहे झिल्ली में सामान

शहर के प्रमुख बाजारों के अलावा बाहरी क्षेत्रों में झिल्लियों का उपयोग लगभग बंद है। चोरी-छिपे भी

इनमें सामान दिए जा रहे हैं। ग्राहकों को जूट का झोला लेकर आने या फिर झोला खरीदने की सलाह दी जा रही है। शास्त्री बाजार में तो निगम ने झोला बैंक तक खोल रखा है। दस से बीस रुपये तक का झोला खरीदने के बाद सब्जी-भाजी की खरीदी की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र से सब्जी, भाजी लाकर शास्त्री बाजार में बेचने वाले झिल्ली का उपयोग लगभग बंद कर चुके हैं। कुछ छिपाकर सामान दे रहे हैं। एक व्यापारी ने कहा कि यदि हम झिल्ली में साग-भाजी न दें तो ग्राहक दूसरे दुकानदार के पास चला जाता है।

बढ़ा दिया पालीथीन का मूल्य

एसयूपी पर प्रतिबंध लगने के बाद से बड़े प्लास्टिक कारोबारियों ने कमी बताकर इसका मूल्य भी बढ़ा दिया है। पहले यह 65 रुपये किलो बिकता था। अब इसे प्रति किलो 240 रुपये के भाव से बेचा जा रहा है। बाजार में नान ओवन कैरीबैग उपलब्ध न होने के कारण व्यापारी विवशता में प्रतिबंधित एसयूपी खरीद रहे हैं।

अब पांच वर्ष का होगा तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यकाल

रायपुर (ए)। प्रदेश के स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यकाल भी पांच वर्ष होगा। अभी वहां के कुलपति का कार्यकाल चार वर्ष तक रहता था। इसके लिए सरकार ने सोमवार को विधानसभा में संशोधन विधेयक पारित किया। इसमें सेल के दो प्रतिनिधियों को परिषद में शामिल करने का प्रविधान भी शामिल है। उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल की अनुपस्थिति में संसदीय कार्य मंत्री रविंद्र चौबे ने इस संशोधन विधेयक को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की शिक्षा परिषद में सेल के दो सदस्यों को भी शामिल करने का प्रविधान इस कानून में किया गया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के लिए सेल के उपक्रम भिलाई स्टील प्लांट ने 250 एकड़ जमीन दी है।

इसके लिए हुए समझौते में यह बात शामिल है कि परिषद में उसके दो सदस्यों को शामिल किया जाएगा। चौबे ने कहा कि सेल या बीएसपी के सदस्यों के शामिल होने से विश्वविद्यालय को भी लाभ होगा। कुलपति का कार्यकाल पांच वर्ष किए जाने को लेकर चौबे ने बताया कि राज्य के लगभग सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपति का कार्यकाल पांच वर्ष किया जा चुका है, केवल तकनीकी विश्वविद्यालय ही बाकी था।

नए निजी विश्वविद्यालय को मंजूरी

विधानसभा ने सोमवार को राज्य में अंजनेय निजी विश्वविद्यालय की स्थापना की अनुमति दे दी है। इस संबंध में प्रस्तुत विधेयक पर चर्चा में शामिल होते हुए भाजपा के अजय चंद्राकर ने कहा कि ज्यादातर अच्छे शिक्षण संस्थान रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में ही स्थापित हो रहे हैं। सरकार की यह कोशिश होनी चाहिए कि राज्य के दूसरे हिस्सों में भी इनकी स्थापना हो। चर्चा का जवाब देते हुए मंत्री चौबे ने बताया कि सरकार इस दिशा में प्रयास कर रही है।

मरार पटेल समाज ने किया छात्रों का सम्मान, बनाएंगे वेबसाइट

रायपुर। छत्तीसगढ़ मरार पटेल महासंघ के बैनर तले प्रदेश कर्मचारी प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी की बैठक पटेल विद्या मंदिर रायपुर में आयोजित हुआ। बैठक में प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम भी आयोजित किया गया और मरार पटेल समाज का वेबसाइट बनाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान कक्षा 10वीं और 12वी में पास होने समाज के प्रतिभावान छात्रों व सामाजिक प्रतिभाओं का सम्मान हुआ।

वहीं आरंग निवासी प्रदेश महासंघ के कर्मचारी प्रकोष्ठ मीडिया प्रभारी महेन्द्र पटेल ने बताया वेबसाइट के माध्यम से पूरे प्रदेश के मरार पटेल समाज के कर्मचारियों का ऑनलाइन गणना कर जिला वाइज डाटा तैयार किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों को कॅरियर गाइडेंस प्रदान किया जाएगा। इस मौके पर कर्मचारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष लिलार पटेल ने कहा कि वर्तमान समय को देखते हुए सामाजिक विकास में टेक्नोलॉजी का उपयोग बहुत आवश्यक हो गया है।

वहीं बैठक में प्रदेश कर्मचारी प्रकोष्ठ से संतोष पटेल, पीतांबर पटेल, तारा पटेल, उर्वशी पटेल, पतिराम पटेल, शेखर पटेल, भूपेंद्र पटेल, जगदीश पटेल, हरिप्रसाद पटेल, भुनेश्वर पटेल, चित्रसेन पटेल, दिलीप पटेल, नरेश पाटिल, दीपक पटेल, राकेश पटेल, सूर्यकांत पटेल, नागेश्वर पटेल आदि सहित प्रदेश भर के अनेक पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

मौसम विभाग का अलर्ट, छत्तीसगढ़ के इन इलाकों में भारी वर्षा के आसार

रायपुर (ए)। मानसून द्रोणिका के प्रभाव से मंगलवार को प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा होगी। वहीं दक्षिण छत्तीसगढ़ इलाके में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। उधर सूरजपुर इलाके में सूखे की स्थिति के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं जांजगीर-चांपा जिले के देवरीमठ निवासी युवक मनोज कुमार कुर्रे (32) की महानदी में डूबने से मौत हो गई। वह दस साल से लापता था और दो महीने पहले ही घर लौटा था।

पिछले 55 दिनों में प्रदेश में 536.7 मिमी वर्षा हुई है। यह सामान्य की तुलना में आठ प्रतिशत अधिक है। प्रदेश के एक जिले में अति भारी वर्षा और 12 जिलों में ज्यादा वर्षा हुई है। इसके साथ ही छह जिलों में सामान्य वर्षा, पांच जिलों में कम वर्षा और तीन जिलों में अति कम वर्षा हुई है। रायपुर में 334.9 मिमी वर्षा हुई है, जो सामान्य से 25 प्रतिशत कम है।

सोमवार सुबह से ही राजधानी रायपुर सहित प्रदेशभर में आंशिक रूप से बादल छाए रहे। अधिकतम तापमानों में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ। प्रदेशभर में सर्वाधिक अधिकतम तापमान एआरजी मुंगेली में 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा के अनुसार मानसून द्रोणिका पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक 1.5 किमी की ऊंचाई तक विस्तारित है। साथ ही एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा दक्षिण पूर्व मध्य प्रदेश और उसके आसपास 3.1 किमी ऊंचाई तक है। इसके प्रभाव से मंगलवार को प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा के भी आसार हैं।

इन क्षेत्रों में हुई वर्षा

डभरा छह सेमी, छिंदगढ़-बीजापुर पांच सेमी, उदयपुर-सीतापुर-धरमजयगढ़ चार सेमी व जैजैपुर-मुंगेली-मालखरौदा तीन सेमी वर्षा हुई। इनके साथ ही प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

तारा सुतारिया का सिंगिंग डेब्यूः रेखा से परिणीति तक गा चुकी हैं फिल्मों में गाने

तारा सुतारिया जल्द ही अपनी आने वाली फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' में गाना गाने वाली हैं। तारा से पहले भी बॉलीवुड की कई एक्ट्रेस हैं जिन्होंने अपनी फिल्मों में खुद गाना गाया है। साल 1980 में आई फिल्म 'खूबसूरत' के लिए जहां रेखा ने भी सिंगिंग की थी। वहीं परिणीति चोपड़ा ने भी एक्टिंग के साथ-साथ सिंगिग से भी करोड़ों लोगों का दिल जीता है। तो आइए जानते हैं ऐसी ही और एक्ट्रेसेस के बारे में-

रेखा (खूबसूरत-1980)

बतौर चाइल्ड एक्टर अपने करियर की शुरुआत करने वाली रेखा ने साल 1980 में आई अपनी फिल्म 'खूबसूरत' के दो सॉन्ग्स गए थे। फिल्म के दो गाने 'कायदा कायदा' और 'सारे नियम तोड़ दो आज भी पॉपुलर हैं। इन गानों को फेमस म्यूजिक डायरेक्टर आरडी बर्मन ने कंपोज किया था।

सलमा आगा (निकाह-1982)

पाकिस्तानी एक्ट्रेस सलमा आगा ने साल 1982 में अपनी फिल्म 'निकाह' में हिट गजल 'दिल के अरमान' गाई थी । इस गजल को म्यूजिक डायरेक्टर रवि ने कम्पोज किया था। यह गाना लोगों को इतना पसंद आया था कि इसे गाने के लिए सलमा को लता मंगेशकर और आशा भोसले के होते हुए बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर का फिल्मफेयर अवॉर्ड दिया गया था।

श्रीदेवी (चांदनी-1989)

साल 1967 में आई तमिल फिल्म 'कंधन करुनाई' से अपने फिल्मी सफर की शुरू करने वाली श्रीदेवी ने कई हिट फिल्में दी हैं। उन्हीं में से एक है साल 1989 में रिलीज हुई 'चांदनी'। यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इस फिल्म के एक गाने 'ओ मेरी चांदनी' को खुद श्रीदेवी ने गाया था। छह साल पहले इस गाने को YRF ने अपने यूट्यूब पर शेयर किया था, जिसे अब तक 3.6 करोड़ से भी ज्यादा बार सुना जा चुका है।

जूही चावला (भूतनाथ-2008)

'दीवाना मस्ताना' 'यस बॉस और 'डुप्लीकेट' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुकी जूही चावला ने साल 2008 में रिलीज हुई घोस्ट कॉमेडी फिल्म 'भूतनाथ' में चलो जाने दो गाना गाया था। इस गाने में एक्ट्रेस के अलावा अमिताभ बच्चन अपनी आवाज दी थी। इस सॉन्ग को विशाल-शेखर की जोड़ी ने कंपोज किया था।

श्रुति हासन (लक-2009)

छह साल की उम्र से सिंगिंग करने वाली श्रुति ने अपना पहला गाना पिता कमल हासन की फिल्म 'थेवर मगन' के लिए गाया था। अपने हिंदी डेब्यू में, एक्ट्रेस ने हिट कॉमेडी 'चाची 420' के लिए भी गाना गाया था। पर इनमें से किसी भी फिल्म में उन्होंने बतौर एक्ट्रेस काम नहीं किया था। साल 2009 में आई फिल्म 'लक' में श्रुति ने एक्टिंग के अलावा फिल्म का थीम सॉन्ग 'आजमा-लक इज द की' गाया था।

आलिया भट्ट (हाईवे-2014)

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से अपना फिल्मी सफर शुरू करने वाली आलिया भट्ट ने साल 2014 में आई इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' में एक्टिंग के अलावा प्लेबैक सिंगिंग भी की है। आलिया ने फिल्म में 'सूहा साहा' गाने की कुछ लाइनें गाई हैं। वहीं उन्होंने अपनी फिल्म 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया' से 'समझावां' का अनप्लेग्ड वर्जन भी गाया है।

श्रद्धा कपूर (एक विलेन-2014)

'आशिकी 2', 'बागी', 'हाफ गर्लफ्रेंड' जैसी हिट फिल्मों में काम कर चुकी श्रद्धा कपूर ने साल 2014 में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'एक विलेन' का अनप्लेग्ड वर्जन 'तेरी गलियां' गाया था। इस गाने का मेल वर्जन अंकित तिवारी ने गाया था।

परिणीति चोपड़ा (मेरी प्यारी बिंदू-2017)

रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'लेडिस वर्सेस रिकी बहल' से अपने करियर को उड़ान देने वाली परिणीति चोपड़ा ने अपनी फिल्म 'मेरी प्यारी बिंदू' का 'माना के हम यार नहीं' सॉन्ग गाया था। इस गाने को अब तक 10 करोड़ से भी ज्यादा बार सुना जा चुका है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने फिल्म 'केसरी' का भी 'तेरी मिट्टी' सॉन्ग भी गाया है।

'थॉर' के हथौड़े का जादू बरकरार

वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस पर हथियाया एक और रिकॉर्ड

बीती 7 जुलाई को रिलीज हुई मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की नई पेशकश 'थॉर: लव एंड थंडर' को पूरी दुनिया में बेहिसाब प्यार मिला है। भारत में पहले दिन शानदार ओपनिंग लेने के बाद से ही 'थॉर: लव एंड थंडर' के कलेक्शन में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली थी। ताइका वेट्टी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को भारत के साथ ही पूरी दुनिया के मार्वल प्रेमियों ने सराहा, जिसके कारण 'थॉर: लव एंड थंडर' ने अब वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। क्रिस हेम्सवर्थ स्टारर यह फिल्म इस यूनिवर्स के सुपरहीरो थॉर की चौथी स्टैंडअलोन फिल्म थी।

क्या 'थॉरः द डार्क वर्ल्ड' का रिकॉर्ड तोड़ पाएगी फिल्म?

मार्वल का यह सुपरहीरो फिल्म से बड़े पर्दे पर अपना वही जादू कायम करने में कामयाब रहा, जो इसने अपनी पिछली तीन फिल्मों से किया था। अपनी पिछली तीनों फिल्मों की तरह ही इसकी शुरुआत भी शानदार रही थी। लेकिन ओपनिंग वीकेंड के बाद फिल्म के कलेक्शन में भारी गिरावट देखने को मिली थी। इसके बावजूद, 'थॉर: लव एंड थंडर' बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने में कामयाब रही। इतनी मुश्किलों के बाद भी फिल्म बड़े पर्दे पर कमाई का एक नया रिकॉर्ड बनाने से बस कुछ ही इंच दूर है। 'थॉर: लव एंड थंडर' फिल्म ने अब तक उत्तरी अमेरिका में 276 मिलियन डॉलर और विदेशों में करीब 322 मिलियन डॉलर की कमाई की है। जिसके बाद विश्व स्तर पर फिल्म ने अभी तक कुल 598 मिलियन डॉलर कमाई कर ली है। यह रिकॉर्ड बनाने के बाद अब, सभी की निगाहें इसे 'थॉर: द डार्क वर्ल्ड' के 644 मिलियन डॉलर की लाइफटाइम कमाई को पार करते हुए देखने पर टिकी हैं।

जल्द छुएगी जादुई आंकड़ा

क्रिस हेम्सवर्थ, टेसा थॉम्पसन और नताली पोर्टमैन और क्रिश्चियन बेल की अदाकारी से सजी 'थॉर: लव एंड थंडर' ने हाल ही में अपने तीसरे वीकेंड पर वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस पर एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, ताइका वेट्टी की यह फिल्म जल्द ही 600 मिलियन डॉलर का जादुई आंकड़ा छूने वाली है। हालांकि, तीसरे वीकेंड में फिल्म ने दूसरे हफ्ते की तुलना में लगभग आधी कमाई की है। लेकिन लोगों का मार्वल फिल्मों की तरफ क्रेज देखते हुए 'थॉर: लव एंड थंडर' से उम्मीद की जा रही है कि फिल्म यह जादुई आंकड़ा पार कर लेगी।

मार्वल के नए फेज का हुआ एलान

'थॉर: लव एंड थंडर' ने 'थॉर राग्नारोक' में ताइका वेट्टी द्वारा स्थापित कॉमेडिक रीब्रांडिंग को सफलतापूर्वक जारी रखा है।'थॉर: लव एंड थंडर' एमसीयू की फेज 4 में तीसरी सबसे बड़ी फिल्म है, जिसे केविन फीगे ने हाल ही में मल्टीवर्स सागा का नाम दिया है। इतना ही नहीं फीगे ने मार्वल के आने वाले दो फेज की फिल्म का भी एलान किया है, जिसके बाद मार्वल प्रेमियों की उत्सुकता हद से ज्यादा बढ़ गई है।

नहीं रहे 'टाइटैनिक' फेम अभिनेता डेविड वॉर्नर, 80 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

ब्रिटेन के मशहूर चरित्र अभिनेता डेविड वॉर्नर का निधन हो गया है। वह 80 साल के थे। पिछले कुछ समय से वह कैंसर से जूझ रहे थे। उनके निधन की पुष्टि एक्टर के परिवार ने एक बयान जारी करके की है। वॉर्नर हॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्हें टाइटैनिक और ओमेन जैसी फिल्म में उनकी भूमिका के लिए पहचाना जाता है। उनके परिवार ने बयान में कहा, 'हम उन्हें हमेशा याद करेंगे। उन्होंने उदार साथी, दयालु व्यक्ति और पिता के रुप में हमारे दिलों को छुआ है। हमारा दिल टूट चुका है।' अपने आखिरी समय में वह नॉर्थवुड

के डेनविल हैल में रह रहे थे।

वॉर्नर का जन्म साल 1941 में मैनचेस्टर में हुआ था। साल 1997 में रिलीज हुई जेम्स कैमरन की फिल्म टाइटैनिक में वह स्पाइसर लवजॉय की भूमिका में नजर आए थे। इसके अलावा उन्हें साल 1976 की हॉरर क्लासिक 'द ओमेन' में फोटोग्राफर कीथ जेनिंग्स के रोल के लिए भी जाना जाता है।

बता दें कि वॉर्नर अपनी खलनायक वाली भूमिकाओं के लिए काफी मशहूर थे। वह फिल्म 'ट्रॉन' (1982), 'लिटिल मैल्कम' (1974), 'टाइम बैंडिट्स' (1981), 'द फ्रेंच लेफ्टिनेंट वूमन' (1981), 'द मैन विद' में काम कर चुके हैं। इसके अलावा वह साल 2018 में मैरी पॉपींस की सीक्वल में भी अपनी एक्टिंग का जादू दिखा चुके हैं। बड़े पर्दे के अलावा वार्नर टीवी की दुनिया में भी काफी काम कर चुके थे।'पेनी ड्रेडफुल,''रिपर स्ट्रीट,' 'स्टार ट्रेक,' 'डॉक्टर हू,' उनके कुछ प्रमुख टीवी शो रहे।

13 सितंबर को भारत में प्रसारित होगा 74वां एमी अवॉर्ड

टेलीविजन का अकादमी पुरस्कार कहे जाने वाले एमी अवॉर्ड्स का 74वां संस्करण जल्द ही आयोजिक होने वाला है। दुनिया भर के टेलीविजन प्रेमी यह जानने को बेताब है कि एस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में दौरान कौनसा शो बाजी मारेगा। 74वें एमी अवॉर्ड्स को लेकर जैसे-जैसे चर्चा तेज होती जा रही है, वैसे- वैसे ही लोगों के अंदर इसे देखने की उत्सुकता बढ़ती जा रही है। इसी बीच अब इस अवॉर्ड फंक्शन के टेलीकास्ट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। दक्षिण-पूर्व एशियाई दर्शकों के लिए लायंसगेट प्ले आधिकारिक प्रसारक के रूप में टेलीविजन की सबसे ग्लैमरस रात प्रसारित करेगा।

यह अवॉर्ड शो सोमवार, 12 सितंबर को (8: 00-11: 00 अपराह्न ईडीटी / 5: 00-8:00 अपराह्न पीडीटी) माइक्रोसॉफ्ट थिएटर के जरिए एनसीबी पर लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। वहीं, भारत में 13 सितंबर सुबह 5:30 बजे से लायंसगेट प्ले पर विशेष रूप से लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। इस सिलसिले में लायंसगेट के कार्यकारी उपाध्यक्ष अमित धानुका ने पहली बार एमी पुरस्कारों को लाइव लाते हुए कहा, लायंसगेट प्ले एक प्रीमियम स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है जो दुनिया भर के दर्शकों के विविध सेट को पूरा करता है। हमें 74वें एमी अवार्ड्स को तीन देशों भारत, मलेशिया और फिलीपींस में लाइव स्ट्रीम करने की खुशी है। कैमरे के सामने और पीछे दोनों जगह कुछ अभूतपूर्व प्रदर्शन हुए हैं। रोमांचक के साथ प्रदर्शन और शानदार जीत, यह साल और अधिक जीवंत और शाही होने के लिए तैयार है।

वहीं, टेलीविजन एकेडमी के प्रेसिडेंट और सीओओ मॉरी मैकइंटायर ने कहा कि, टेलीविजन अकादमी टेलीविजन उद्योग आकार देने और आगे बढ़ाने का प्रयास करती है। अपने प्रकाशनों और कार्यक्रमों के माध्यम से अकादमी और इसके फाउंडेशन ने इंडस्ट्री की उत्कृष्टता का जश्न मनाते हुए प्रतिष्ठित एमी अवार्ड, हॉल ऑफ फेम जैसे पुरस्कारों के जरिए कहानीकारों के विविध समुदाय को बढ़ावा, सशक्त और कनेक्ट किया है। गौरतलब है कि 74वें एमी अवॉर्ड के लिए 12 जुलाई को नामांकन की घोषणा की गई थी।

फिल्मों के महंगे सेट्सः बाहुबली का सेट 35 करोड़ में बना तो देवदास में चंद्रमुखी का कोठा 12 करोड़ रुपए में हुआ था तैयार

फिल्म शमशेरा रिलीज हो गई है। फिल्म की मेकिंग और सेट डिजाइन खासी तारीफें बटोर रहा है। इस सेट को तैयार करने में 500 लोगों ने फिल्म की यूनिट के साथ 4 महीने तक दिन रात काम किया। इससे पहले भी कई फिल्मों के सेट ऐसे बने हैं जिनकी लागत ने लोगों के होश उड़ा दिए, कुछ फिल्मों के सेट तो इतने बजट में बनकर तैयार किए गए हैं कि उस लागत में मानों पूरी एक फिल्म बन जाती। तो चलिए फिल्मों के उन्हीं सेट्स पर आज एक नजर डालते हैं।

बॉम्बे वेलवेट

इस फिल्म के जरिए डायरेक्टर अनुराग कश्यप हमें 60 के दशक में मुंबई वापस ले जाना चाहते थे। इस फिल्म को बनाने में 120 करोड़ रुपए की लागत लगी थी, जिसका ज्यादातर हिस्सा सिर्फ सेट बनाने पर खर्च किया गया। पुरानी मुंबई को दिखाने के लिए इस सेट को बनाने में 11 महीने लगे थे।

देवदास

संजय लीला भंसाली की देवदास' शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित के करियर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। भंसाली और उनकी टीम को 'देवदास' के सेट को डिजाइन करने में 9 महीने का समय लगा था, उस वक्त इसे बनाने में 20 करोड़ रुपए से ज्यादा रुपए खर्च किए गए थे। फिल्म में सिर्फ चंद्रमुखी का कोठा बनाने में ही 12 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। वहीं फिल्म को बनाने में 50 करोड़ रुपए लगे थे।

कलंक

करण जौहर की इस फिल्म के सेट की हर तरफ तारीफ हुई। आलिया भट्ट और वरुण धवन पर फिल्माए गए सभी सीन खूबसूरत थे। खबरों के मुताबिक करण जौहर और साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म के सेट पर ही करीब 15 करोड़ रुपए खर्च किए थे। वहीं इस फिल्म के बजट की बात करें तो फिल्म का बजट 130 करोड़ रुपए था।

बाजीराव मस्तानी

संजय लीला भंसाली की एक और बड़ी फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' को 23 बड़े सेटों के साथ

गुजरात के आइना महल में भी शूट किया गया था। खबरों के मुताबिक सेट को बनाने के लिए इसकी रिचर्स में 8-9 साल का समय लगा था। फिल्म के कुल बजट 145 करोड़ रुपए था और सिर्फ सेट और कलाकारों की कॉस्टयूम पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए थे।

जोधा अकबर

इस ऐतिहासिक फिल्म में ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय बच्चन ने लीड रोल प्ले किया था। जबकि फिल्म का डायरेक्शन आशुतोष गोवारिकर ने किया था। कर्जत में बनी इस फिल्म के सेट को बनाने में भी खासी मेहनत की गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म के सेट पर 12 करोड़ रुपए खर्च किए। इस फिल्म का बजट 40 करोड़ रुपए था।

सांवरिया

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित इस रोमांटिक फिल्म में रणबीर कपूर और सोनम कपूर नजर आए थे, लेकिन ये फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई। हालांकि इस फिल्म का आलीशान सेट बनाया गया था। 40 करोड़ की लागत से इस फिल्म का निर्माण हुआ, वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के सेट पर करोड़ों रुपए खर्च हुए और इसे बनाने के लिए लिए 250 लोगों ने 25 दिनों तक काम किया।

प्रेम रतन धन पायो

सूरज बड़जात्या के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म की शूटिंग कई किलों और महलों में की गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म के भव्य सेटों की लागत 13 से 15 करोड़ रुपए थी। इस फिल्म का कुल बजट 180 करोड़ रुपए था।

भारत

दक्षिण कोरियाई फिल्म ओड टू माई फादर से इंस्पायर्ड फिल्म भारत के सेट को बनाने में भी महीनों लगे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म के सेट्स 15 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया था। वहीं इस फिल्म का बजट 100 करोड़ रुपए था।

बाहुबली

भारत में शायद ही ऐसा कोई हो जिसने फिल्म बाहुबली न देखी हो। इस फिल्म के सेट की सभी ने तारीफ की थी। बता दें कि फिल्म के सेट को बनाने में 35 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। इसे बनाने के लिए 500 कारीगरों ने 50 दिनों तक दिन-रात मेहनत की थी। सेट को बनाने से पहले स्केच आर्टिस्टों ने लगभग 1500 स्केच बनाए थे तब जाकर इस सेट को फाइनल किया गया था। वहीं फाइबर से बनी भल्लालदेव की विशाल मूर्ती को बनाने के लिए 200 मजदूरों ने एक महीने तक काम किया था। इस फिल्म का कुल बजट 180 करोड़ रुपए था।

मुगल-ए-आजम

जहां फिल्मों के बेहतरीन सेट्स की बात की जा रही हो वहां 'मुगल-ए-आज़म' का जिक्र न हो ऐसा संभव नहीं है। इस ऐतिहासिक प्रेम कहानी को शूट करे के लिए 1.5 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे जो उस वक्त के हिसाब से बड़ी कीमत थी। खबरों के मुताबिक, प्यार किया तो डरना क्या के म्यूजिकल सीक्वेंस को शूट करने के लिए बनाए गए सेट को बनाने में दो साल लगे और इस गाने को शूट करने में 10 लाख रुपए खर्च हुए थे।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI th XII th B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
& CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

खाद्य मंत्री भगत की पहल पर सीतापुर में 28 विकास कार्यों के लिए 279 लाख रूपए मंजूर

रायपुर। खाद्य और संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत की पहल पर विधानसभा क्षेत्र सीतापुर में 28 विकास कार्यों के लिए 279.06 लाख रूपए को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। अधोसंरचना मद से उक्त राशि को स्वीकृति प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सीतापुर के अंतर्गत नगरीय निकायों में निर्माण कार्यों के लिए स्वीकृति की घोषणा की थी। शहरी विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने खाद्य मंत्री भगत को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि सीतापुर निकाय के अंतर्गत निर्माण कार्यों के लिए 279.06 लाख रूपए स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। सीतापुर के निकाय विभिन्न वार्डों में सुचारू व निर्बाध आवागमन हेतु सीसी रोड, जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नाली एवं नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्य करवाए जाएँगे। स्वीकृति के मिलने मंत्री भगत ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के प्रति आभार व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के लिए 10 अक्टूबर तक नामांकन आमंत्रित

सुकमा। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा वर्ष 2021 के तहत् राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार प्रदाय करने के लिए 10 अक्टूबर 2022 तक नामांकन सम्बन्धित आवेदन पत्र बालक-बालिकाओं से महिला एवं बाल विकास विभाग सुकमा में आमंत्रित किया गया है। नामांकन तथा आवेदन पत्र के साथ संबन्धित बालक-बालिकाओं के शौर्य कार्य किये जाने संबन्धी विवरण सहित अभिलेख संलग्न करना अनिवार्य है। शौर्य एवं साहस प्रदर्शन तिथि को बालक या बालिका की आयु कम से कम 06 वर्ष तथा अधिकतम 18 वर्ष होना चाहिए और शौर्य-साहस की घटना 1 जुलाई 2021 से 30 सितम्बर 2022 के मध्य घटित होना चाहिए। इस हेतु आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में अंग्रेजी में प्रतिपूरित करना होगा तथा आवेदन पत्र के साथ घटना से संबन्धित एफ्आईआर या पुलिस डायरी की छायाप्रति, समाचार पत्रों की कतरनें, सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाणित पासपोर्ट साईज के वर्तमान के दो नग रंगीन फोटोग्राफ्स व 4 अतिरिक्त फोटो एवं घटना का विस्तृत विवरण तथा नामांकन तीन प्रतियों में भरकर प्रस्तुत करना होगा।

पारंपरिक त्यौहार हरेली के उल्लासपूर्ण आयोजन के लिए समय पूर्व कर लें सभी तैयारियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

बैकुण्ठपुर। आगामी तीन दिवस बाद पारंपरिक त्यौहार हरेली का जिले भर में उल्लासपूर्ण आयोजन किया जाना है। इसके लिए कलेक्टर कोरिया कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीइओ ने सभी ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिषा-निर्देश जारी किए। जिला पंचायत सीइओ ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि परंपरा के अनुसार विधि विधान से पूजन और अन्य उत्सव आयोजन व्यवस्थित तरीके से कराए जाएं। इसके लिए सभी अधिकारी अपने चयनित आयोजन स्थल का मुआयना करके सभी व्यवस्थाएं सुनिष्चित कर लें। उन्होने कहा कि इस त्योहार के आयोजन के लिए राज्य षासन द्वारा विस्तृत निर्देष जारी किए गए हैं। उनके अनुसार सभी जगहों में पारंपरिक खेल जैसे गेड़ी, फुगड़ी, आदि कराने के लिए मैदान आदि का चयन कर लें। ग्रामीणों की उपस्थिति के लिए ग्राम कोटवार के माध्यम से सभी ग्राम पंचायतों में मुनादी कराएं और ग्रामीण खेलकूद के लिए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों से समन्वय कर बच्चों को सूचित कर दें। उन्होने कहा कि जिला स्तर का आयोजन मुख्यालय बैकुण्ठपुर के ग्राम पंचायत में किया जाना है इसके लिए जनपद पंचायत सीइओ स्वयं स्थल चयन कर आवश्यक तैयारियां पूर्व से ही कर लें। इस बैठक में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कृषि विभाग, पशु पालन विभाग सहित अन्य

विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत के मंथन कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुणाल दुदावत ने सभी जनपदों में स्वच्छ भारत मिषन के तहत हो रहे सभी कार्यों की ब्लाकवार समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देषित करते हुए उन्होने कहा कि छूटे हुए पात्र हितग्राहियों के व्यक्तिगत शौचालय निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करें। इसके साथ ही उनहोने सामुदायिक शौचालयों के निर्माण की प्रगति धीमी होने के कारण मनेन्द्रगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होने सामुदायिक शौचालयों के साथ बनी दुकानों को जल्द से जल्द नीलाम करने व नीलाम हो चुकी दुकानों के नियमित संचालन कराने के निर्देश भी दिए। पर्यटन केंद्रों में बन रहे सामुदायिक शौचालयों के साथ ही अलग अलग ग्राम पंचायतों में स्वीकृत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र के निर्माण में प्रगति लाने के साथ ही उन्होंने व्यक्तिगत शौचालयों के जिओ टैगिंग कार्य को भी एक सप्ताह में अनिवार्य रूप से पूरा कराने के निर्देश दिए। गोधन न्याय योजना की समीक्षा करते हुए उन्होने सभी गौठानों में नियमित ढंग से गोबर खरीदी कराने के निर्देश दिए। खाली टांको की भराई और वर्मी बन चुके टांकों से छनाई के कार्य को नियमित कराने के निर्देश दिए। दुदावत ने सुपर कंपोस्ट, वर्मी कंपोस्ट आदि के उठाव के संबंध में उप संचालक कृषि को आवश्यक निर्देश देकर एक सप्ताह में यह कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। जिले के दौ गौठानों में गौ मूत्र खरीदी के लिए आवश्यक तैयारी की जानकारी लेते हुए उनहोने इस प्रक्रिया से जुड़े सभी संबंधितों को अच्छी तरह से प्रषिक्षित कराने के निर्देश दिए। गोधन न्याय योजना के प्रभारी अधिकारी को उन्होंने आजीविका संबंधी गतिविधियों की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

जलमार्ग परिवहन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा फैसला

रो-पैक्स फेरी, यात्री फेरी को 6 महीनों के लिए बंदरगाह और पोत संबंधी शुल्क से छूट

कंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) रो-रो, रो-पैक्स, फेरी जलमार्ग परिवहन को बढ़ावा देने के लिए सभी प्रमुख बंदरगाहों को अगले छह माह के लिए रो-पैक्स फेरी,यात्री फेरियों पर वर्तमान में लगाए जा रहे पोत संबंधी शुल्क से तत्काल प्रभाव से छूट देने का निर्देश दिया है। जल मार्ग में परिवहन के अन्य साधनों की तुलना में कम उत्सर्जन होता है। साथ ही, परिवहन के परम्परागत साधनों के मुकाबले काफी समय और धन की बचत होती है। साथ-साथ सड़क,रेलवे पर यातायात की भीड़, ध्वनि प्रदूषण और सड़कों पर दुर्घटनाएं भी कम हो सकती हैं। इस तरह की जल-आधारित परिवहन सेवा रसद लागत को कम करने, यात्रा के समय को कम करने और कई व्यवहार्य मार्गों पर तटीय शिपिंग को बढ़ावा देने के लिए एक प्रभावी उपाय है।

मंत्रालय के मुताबिक समुद्री ईंधन लो सल्फर हाई फ्लैश हाई स्पीड डीजल की कीमत 76,000 रुपये केएल से बढ़कर 1,21,000 रुपये केएलहो गई है। इसी तरह, वेरी लो सल्फर फ्यूल ऑयल (वीएलएसएफओ) की कीमत 40608 रुपये केएल से बढ़कर 80917 रुपये केएल हो गया है। यहां उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2021-22 की शुरूआत में समुद्री ईंधन-एलएसएचएफएचएसडी की लागत खुदरा डीजल- एचएसडी से 10-15 प्रतिशत कम हुआ करती थी। इसलिए, प्रभावी रूप से वृद्धि 40 प्रतिशत से अधिक है।

नौका संचालन पर हाई मैरीन ईंधन की कीमतों और जीएसटी के प्रभाव पर चर्चा करने के लिए केन्द्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने हाल ही में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के संयुक्त सचिव (जीपी डिवीजन) नवनीत मोहन कोठारी और राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय के संयुक्त आयुक्त निबा राम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की थी।

इस संबंध में उन्होंने केन्द्रीय वित्त और कॉपोरेंट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण और केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में मंत्री को इस मुद्दे पत्र लिखकर उनसे ईंधन पर लगे करों और मूल्य को कम करके इस क्षेत्र के लिए अपना समर्थन देने का अनुरोध किया था। मंत्रालय ने सभी राज्यों से इस क्षेत्र द्वारा उपयोग किए जाने वाले एचएसडीपर वैट की दरों को कम करने का भी अनुरोध किया है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ईंधन की बढ़ती लागत अब हमारे स्थानीय रो-पैक्स और यात्री नौका संचालन को अव्यवहारिक बना रही है, इसलिए पोत और बंदरगाह से संबंधित शुल्क की छूट अगले 6 महीनों के लिए इस क्षेत्र को आवश्यक राहत प्रदान करेगी। हमने एमओपीएनजी से ईंधन की कीमतों में कमी पर विचार करने और वित्त मंत्रालय से संबंधित करों को कम करने का अनुरोध किया है ताकि वर्तमान परिस्थितियों में इस क्षेत्र को आवश्यक सहायता प्रदान की जा सके।

दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी द्वारा सागरमाला कार्यक्रम के तहत घोघा और हजीरा के बीच लागू की गई रो-पैक्स सेवाओं ने यात्रा के समय को 12 घंटे से घटाकर 4 घंटे कर दिया है। रो-पैक्स फेरी सेवा शुरू होने के बाद से 78,000 से अधिक वाहनों और 2.6 लाख से अधिक यात्रियों को लाने-ले जाने का काम कर चुकी है। इसी तरह महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड ने मुंबई-मांडवा मार्ग पर रो-पैक्स फेरी सेवा शुरू की। परियोजना के परिणामस्वरूप समुद्री मार्ग से 45 मिनट के मुकाबले लगभग 3 घंटे की सड़क यात्रा की बचत हुई। 5.5 लाख से अधिक यात्रियों ने इस रो-पैक्स सेवा का लाभ उठाया है और इससे अधिक 1 लाख वाहनों को लाया-ले जाया गया है।

निरंजन धर्मशाला में महिला चेंबर द्वारा आयोजित एक्सपो 2022 संपन्न

कंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष मधु अरोरा ने बताया कि महिला चेंबर द्वारा निरंजन धर्मशाला में एक्सपो 2022 जो कि 21 एवम 22 जुलाई 2022 को सम्पन्न हुआ। जहां एक ही छत के नीचे विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए गए, जैसे कि तनिष्क, एवम भंसाली ज्वेलर्स, तरलेजा बिल्डर्स, सीपी सोलर, प्रेम साउंड सिस्टम, कलकत्ता की एल ई डी लाइट्स,जलपरी एक्वेरियम, सीटी होंडा, कच्ची घानी तेल, फर्नीचर,कादंबरी अचार, कोजी किड्स, बोंजेलो बिस्किट्स और केक,सेनेटरी वियर,स्कोनो विजन, बैड कवर बैडसिट, नीलम्स नमकीन, टपरवेयर के समान,भगवान के वस्त्र नेल आर्ट्स, मीनाक्षी सेलून द्वारा भी स्टॉल ,एक्यूप्रेशर,के समान योगिता कोशा साड़ी,कुर्ती सलवार सूट आर्टिफिशियल ज्वेलरी ।

विभिन्न प्रकार के खाने के स्टॉल भी एवम 4, 5 स्टॉल फ्री में दिए गए जैसे- कोपलवानी, दिवायंग बच्चो द्वारा बनाई गई वस्तु, आर्ट और क्राफ्ट । सावन के चलते महिलाओं के लिये झूले का आयोजन किया गया था जो कि बहुत ही आकर्षक था ।

बहुत ही अच्छा प्रयास रहा महिला चेंबर द्वारा जिसमें मुख्य अथिति में श्रीमती छाया वर्मा,कुलदीप जुनेजा जी, संजना उपाध्याय,चेंबर के चेयरमैन यू एन . अग्रवाल जी ,चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी एवं उनकी पूरी टीम की उपस्थिति रही । इसमें महिला चेंबर की संरक्षक मीनाक्षी टुटेजा जी, आभा मिश्रा जी, अध्यक्ष मधु अरोरा, मंत्री पिंकी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रेरणा भट्ट, मीडिया प्रभारी इंदिरा जैन, निष्ठा चतुर्वेदी, स्वाति सोनी, काजल श्रीवास एवम भिलाई की समस्त महिला टीम की उपस्थिति रही।

ग्राम मुण्डरा में जनचौपाल का हुआ आयोजन, ग्रामीणों की सुनी गई समस्याएं

श्रीकंचपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत गुंडरदेही के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत परसाही के आश्रित ग्राम मुण्डरा में जनचैपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनचैपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया।

जनपद पंचायत गुण्डरदेही के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वन कुमार पुसाम ने बताया कि ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम की गलियों में कीचड़ की साफ-सफाई कर डस्ट डलवाने की कार्रवाई की जाएगी। ग्राम से गुजरने वाली मुख्य मार्ग तवेरा से तिलोदा पहुंच मार्ग के अंतर्गत आती है, जिसमें डामरीकृत रोड निर्मित है। उन्होंने बताया कि ग्राम के बसाहट मार्ग में सीसी रोड का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत किया जाना है, जो कि प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि ग्राम में 260 पात्र हितग्राहियों का राशन कार्ड बना हुआ है। 160 हितग्राहियों को पेंशन मिल रहा है एवं 205 हितग्राहियों को मनरेगा जॉब कार्ड जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि ग्राम में सभी पात्रों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक सम्पन्न

सुकमा। कार्यालय जिला पंचायत के सभाकक्ष में को सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन के साथ ही अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। गणमान्य सदस्यों ने विभागीय अधिकारियों के साथ विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में चर्चा करते हुए जिले में पूर्व समय से निर्मित स्कूल, आश्रम, आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत की आवश्यकता बताई। साथ ही जिन स्कूल में छात्र संख्या की तुलना में शिक्षकों की कमी के कारण गुणवत्ता शिक्षा में कमी को दूर करने पर चर्चा की।

बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष बोडडू राजा सहित गणमान्य जिला पंचायत सदस्य गण, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवनारायण कश्यप एवं विभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

अध्यक्ष हरीश कवासी ने कहा कि जिले में पूर्व समय से निर्मित शैक्षणिक, आवासीय भवनों की मरम्मत की आवश्यकता को देखते हुए, सभी भवनों का सर्वे कार्य किया जाकर, मरम्मत की आवश्कता वाले भवनों का चिन्हांकन किया जाए।

छत्तीसगढ़ के गुरुकुल आश्रम में बच्चों का यौन उत्पीड़न

मालिश के बहाने बुलाकर करता था छात्रों से अश्लील हरकत, आरोपी टीचर गिरफ्तार

महासमुंद (ए)। महासमुंद स्थित आर्ष ज्योति गुरुकुल आश्रम में बच्चों के यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। परिजनों ने यहीं के टीचर पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। आरोप है कि मालिक के बहाने छात्रों को बुलाकर टीचर उनसे अश्लील हरकत करता था। ये बच्चे 8वीं क्लास के हैं। मामले का खुलासा होने के बाद आरोपी फरार हो गया था। उसे पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। मामला खल्लारी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम कोसरंगी स्थित आर्ष ज्योति गुरुकुल आश्रम हैं। यहां पर आचार्य कोमल कुमार वैष्णव पदस्थ है और वही आश्रम का अधीक्षक भी बताया जा रहा है। आरोप है कि कोमल कुमार अपने कमरे में बच्चों को मालिश करवाने के लिए बुलाता था और वहां उनका यौन उत्पीड़न करता। इसके बारे में किसी को नहीं बताने को लेकर धमकी देता और बच्चों से मारपीट करता था, जब भी बच्चे अपने परिजनों से बात करते तो आरोपी सामने बैठता।

बताया जा रहा है कि रविवार को कुछ बच्चों के परिजन उनसे मिलने के लिए आश्रम पहुंचे थे। इस पर बच्चों ने उनसे मोबाइल लेकर अपने पैरेंट्स से बात की और उन्हें सब बताया। इसकी जानकारी परिजनों को लगी तो उन्होंने पुलिस और चाइल्ड लाइन को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सोमवार को बाल संरक्षण अधिकारी भी आश्रम में पहुंच गए। वहां पता चला कि आरोपी आचार्य कोमल कुमार वैष्णव रात से ही गायब है।

साइबर सेल की मदद से पकड़ा गया आरोपी

बच्चों से बात कर वहां सेक्सुअल हैरेसमेंट की पुष्टि हुई है। इस पर अफसरों ने पुलिस को सूचना दी। साइबर सेल की मदद से आरोपी कोमल कुमार वैष्णव को तलाश कर पुलिस ने शाम को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ पॉक्सो के साथ ही मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। फिलहाल आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है। वहीं बच्चों की भी काउंसिलिंग कराई जा रही है।

एक तरफा प्रेम में घोंटा लड़की के प्रेमी का गला

परिजनों पर शक करती रही पुलिस, 4 थानेदार बदले, तब 3 साल बाद पकड़ा गया आरोपी

तखतपुर (ए)। बिलासपुर में एक युवक ने एक तरफा प्रेम के चलते युवती के प्रेमी की गला घोंट कर हत्या कर दी। वारदात वाले दिन युवक अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने के लिए पहुंचा था। इसके बाद परिजनों पर ही पुलिस हत्या का शक करती रही, लेकिन गर्लफ्रेंड अपने बयान पर कायम थी। इस दौरान 4 थानेदार बदल गए। फिर तीन साल बाद सोमवार को आखिरकर हत्या आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ ही गया। मामला तखतपुर थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, ग्राम पंचायत पूरा के हास्य ग्राम जीरा पानी में 2019 को ठाकुरकापा निवासी कालीचरण ध्रुव (19) का शाव मिला था। कालीचरण का पूरा पंचायत के छिरहाकापा निवासी एक लड़की से प्रेम प्रसंग था। वह अक्सर लड़की से मिलने के लिए आता था। वह 3 जून की रात करीब 9 बजे भी लड़की के बुलाने पर अपने दो दोस्तों के साथ उससे मिलने के लिए पहुंचा था। दोस्तों को दूर छोड़ लड़की से मिलने कालीचरण उसके घर पहुंचा।

रात करीब 10.15 बजे जब

कालीचरण वहां से लौटने लगा तो एक युवक ने उसका पीछा किया। आरोपी युवक को कालीचरण के पीछे आते देख, उसके दोस्त छोड़कर भाग निकले। हालांकि लड़की घर के दरवाजे पर खड़ी आरोपी को देख रही थी। उसने आरोपी को पहचान भी लिया था कि वह उसके पड़ोस में रहने वाला संतोष जगत (35) है। कुछ दूर जाकर आरोपी ने गमछे से कालीचरण का गला घोंट दिया। इसके बाद शव को खेत में फेंक दिया।

युवती के परिजनों को ही कातिल मानती रही पुलिस

पुलिस ने शव मिलने के बाद जांच शुरू की। इस दौरान वह लड़की के परिजनों को ही कालीचरण का कातिल मानती रही। उनका शुरू से शक लड़की और उसके परिजनों पर रहा। इस बीच पुलिस ने आरोपी सहित गांव के कुछ लड़कों को हिरासत में भी लिया, पर ग्रामीणों के विरोध के चलते उन्हें छोड़ दिया गया। इसके बाद जांच चलती रही और थाना प्रभारी बदलते रहे। हालांकि लड़की अपने बयान पर कायम थी।

पहले ही से शादीशुदा था आरोपी

थाना प्रभारी एसआर साहू ने बताया कि लड़की के बयान के चलते ही हम आरोपी तक पहुंच सके। लड़की के पड़ोस में ही आरोपी संतोष रहता था। संतोष पहले से ही शादीशुदा था और उसकी पत्नी की मौत हो चुकी थी। पूछताछ में उसने बताया कि वह लड़की से एक तरफा प्यार करता था और उससे शादी करना चाहता था। घटना वाले दिन वह एक छठी कार्यक्रम में गया था। वहां से लौटने के दौरान उसने कालीचरण को लड़की के घर से निकलते देखा।

17 साल की लड़की को बंधक बनाकर दुष्कर्म

5 साल से स्कूली छात्रा का पीछा कर रहा था युवक मौका पाकर अगवा किया, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। 17 साल की स्कूली छात्रा को बंधक बनाकर दुष्कर्म करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवक पिछले पांच साल से छात्रा के स्कूल आते-जाते पीछा करता था और उससे शादी करने की बात कहकर परेशान करता था। कुछ दिन पहले मौका पाकर युवक ने उसे अगवा कर अपने घर ले गया और उससे दुष्कर्म किया था। लड़की के परिजन तलाश करते हुए युवक के घर तक पहुंच गए, जहां उन्होंने लड़की को युवक के चंगुल से मुक्त कराया और पुलिस से शिकायत की। मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के अनुसार, रतनपुर क्षेत्र की 17 साल की लड़की स्कूल में पढ़ती है। उसके स्कूल जाते आते समय ग्राम गढ़वट का रहने वाला किशन यादव (21) उसका पीछा करता था। इस दौरान उसने लड़की से शादी करने की बात कहकर उसे प्रपोज भी किया था। लड़की उसकी बातों को नजरअंदाज कर चुप रही। बीते 21 जुलाई को मौका पाकर युवक स्कूल से लौटते समय उसे अगवा कर अपने घर ले गया और बंधक बनाकर उसके रेप किया था।

टीआई शांत कुमार साहू ने बताया कि लड़की के परिजन उसे लेकर थाना पहुंचे। इस दौरान लड़की का बयान दर्ज किया गया। उसने बताया कि किशन यादव उसे अगवा कर अपने घर ले गया था, जहां उसने बंधक बनाकर उसके रेप किया। लिहाजा, पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 363, 342, 376 और पाक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

तीन दिन बाद पहुंचे थाना, गिरफ्तार

टीआई साहू ने बताया कि इस घटना के बाद लड़की के परिजन लोकलाज के भय से थाने नहीं आए थे। इस दौरान उन्होंने आपस में चर्चा की। फिर किसी तरह हिम्मत जुटाकर तीन दिन बाद थाने पहुंचे। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने तत्काल केस दर्ज कर आरोपी युवक को दबोच लिया।

रायपुर में मर्डर के बाद बवाल

मूक-बधिर युवक के परिजनों ने घेरा थाना, बोले-पुलिस हत्यारी लड़की को नाबालिग बता रही, जांच की मांग

रायपुर (ए)। सोमवार को रायपुर के आजाद चौक थाने का स्थानीय लोगों ने घेराव कर दिया। यह सभी कंकाली पारा इलाके में रविवार को हुए हत्याकांड का विरोध कर रहे थे। इस विरोध में एक दिन पहले हुई इस हत्या की वारदात में मारे गए सुदामा के घर वाले भी शामिल थे। सभी लोगों ने पुलिस से इस हत्याकांड में आरोपी लड़की के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की। लोगों ने कहा कि यहां आए दिन नशाखोर लड़कों की अड्डेबाजी से सभी परेशान हैं। मगर पुलिस सख्त रवैया नहीं अपना रही।

स्थानीय जनप्रतिनिधि दीपक जायसवाल ने बताया कि लोगों को डर है कि लड़की को नाबालिग बताकर पुलिस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं करेगी। इसी अंदेशे की वजह से स्थानीय लोगों ने थाने का घेराव किया था। दरअसल जिस लड़की ने सुदामा नाम के युवक की चाकू से गला रेत कर हत्या की वह इससे पहले भी आपराधिक मामलों में शामिल रही है। मगर नाबालिग होने का फायदा उठाते हुए वह अक्सर बच निकलती थी, स्थानीय लोगों ने पुलिस से मांग की है कि लड़की नाबालिग नहीं है उसके दस्तावेजों में गड़बड़ी हो सकती है इसलिए मामले की जांच करते हुए लड़की के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें।

1 महीने पहले हुई थी शादी

रविवार को जिस सुदामा नाम के युवक की हत्या कर दी गई। पिछले महीने ही उसकी शादी हुई थी। सुदामा ऑटोपार्टस की एक वर्कशॉप में काम करता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि वह एक सामान्य जिंदगी बिता रहा था। मगर जिस लड़की ने उसकी हत्या की वह कई आपराधिक मामलों में शामिल रही है और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के साथ भी उसका संपर्क रहा है।

मकान मालिक हुआ फरार

लोगों के साथ थाने आए दीपक जायसवाल ने बताया कि आजाद चौक इलाके के जिस मकान में लड़की रहा करती थी उसका मकान मालिक फरार हो गया है। लड़की को किराए पर रखने का कोई एग्रीमेंट भी थाने में नहीं जमा किया गया है। वो अपनी मां के साथ रहती थी। आस-पास भजिए का ठेला लगाकर गुजारा चलाया करती थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि मकान में अक्सर गुंडे बदमाशों का आना जाना लगा रहता था। जिसकी वजह से कुछ वक्त पहले लोगों ने मकान मालिक को लड़की से यहां से हटाने को भी कहा था।

पुलिस का दावा-कार्रवाई करेंगे

आजाद चौक थाने पहुंचे लोगों से पुलिस ने कहा है कि वह इस मामले में नियमानुसार कार्रवाई करेंगे। बच्ची के नाबालिग या बालिग होने के विवाद को लेकर पुलिस ने कहा कि दस्तावेजों के आधार पर ही कार्रवाई की जाएगी। हालांकि लोग दस्तावेजों में छेड़छाड़ का दावा भी कर रहे हैं, पुलिस ने जांच का भरोसा दिया है। रविवार को इस हत्याकांड में गिरफ्तार की गई लड़की अपनी मां के साथ स्कूटर पर जा रही थी, तभी सुदामा उसके सामने आ गया। साइड, देने के लिए लड़की ने अपने स्कूटर का हॉर्न बजाया। मगर सुन बोल ना सकने वाला सुदामा साइड ना दे पाया। इसी से तैश में आकर लड़की ने गला रेतकर उसकी हत्या कर दी थी।

शराब दुकान में चिल्लर के लिए सुपरवाइजर की पिटाई

डंडे-फरसा लिए युवकों ने किया हमला, बीच बचाव करने आए कर्मचारियों को भी पीटा

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में शराब दुकान में घुसकर सुपरवाइजर से मारपीट करने और फरसा लहराने का वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है कि दुकान में चिल्लर पैसे को लेकर हुए विवाद के दौरान 6-7 युवकों ने जमकर बवाल मचाया और दुकान में घुसकर फरसा लहराते हुए सुपरवाजर पर डंडे और हाथ-मुक्के से हमला कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव करने वाले कर्मचारियों की भी पिटाई कर दी। घटना कोनी थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार रतनपुर क्षेत्र के लखराम निवासी दुर्गा प्रसाद केंवट कोनी थाना क्षेत्र के पौंसरा स्थित शासकीय शराब दुकान में सुपरवाइजर है। रविवार दोपहर वह शराब दुकान के कैश काउंटर पर बैठा था। उसी समय कुछ युवक शराब लेने पहुंचे। इस दौरान सुपरवाइजर ने उन्हें खुले पैसे देने के लिए बोला। इस पर एक युवक ने विवाद शुरू कर दिया। हालांकि उसके बाद युवक शराब लेकर दुकान से निकल गए।

रात को फिर साथियों के साथ पहुंचे युवक

इसके बाद रात करीब आठ बजे वह युवक अपने साथियों के साथ दुकान पहुंचा। उसने दोपहर हुए विवाद को लेकर शराब दुकान के सुपरवाइजर से विवाद करते हुए गाली देना शुरू कर दिया। सुपरवाइजर ने मना किया, तो 6-7 लोग दुकान के अंदर घुस गए और हंगामा मचाते हुए उसकी जमकर पिटाई कर दी।

हंगामा व मारपीट होते देखकर शराब दुकान के कर्मचारी यशवंत कुंभकार, सेल्समैन सुमित कैवर्त बीच-बचाव करने लगे। तब युवकों ने उन्हें भी पकड़ लिया और उनके साथ मारपीट की। इस दौरान वहां सेल्समैन अनिल यादव, भोजेश्वर कुंभकार और गार्ड योगेश पटेल भी मौजूद थे। उन्होंने युवकों को शांत कराया।

पुलिस ने साधारण मामला दर्ज कर की खानापूर्ति

रविवार रात शराब दुकान में युवक धारदार हथियार फरसा, डंडा लेकर घुसे थे। युवकों ने दुकान के एक कमरे में बचने के लिए छिपे सुपरवाइजर की जमकर पिटाई की। इस घटना के बाद घायल सुपरवाइजर ने कोनी थाने में शिकायत की, जिस पर पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ साधारण मारपीट का मामला दर्ज कर खानापूर्ति कर ली है।

सुपरवाइजर ने थाने में सौंपा सीसीटीवी फुटेज

घायल सुपरवाइजर ने हमलावरों की करतूतों को उजागर करने और सख्त कार्रवाई करने की मांग करते हुए पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी सौंपा है। सीसीटीवी में युवक दुकान में धारदार हथियार फरसा और डंडा लहराते हुए सुपरवाइजर की पिटाई करते दिख रहे हैं। इसके बाद भी पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज कर सुपरवाइजर को चलता कर दिया।

ओडिशा से बाइक पर लेकर आ रहा था गांजा, गिरफ्तार

महासमुंद। सांकरा पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान ओव्हरब्रिज के नीचे भगतदेवरी के पास एक युवक को गांजा तस्करी करते हुए पकड़ा। इसके पास से 7 किलो गांजा बरामद हुआ है। इसकी कीमत 1 लाख 40 हजार रुपए आंकी गई है। सांकरा थाना प्रभारी इंद्रभूषण सिंह ने बताया कि गांजा तस्करी के आरोप में ग्राम रानीसागर थाना आरंग निवासी भीम कुमार निषाद पिता गोविंद निषाद (32) को गिरफ्तार किया है। यह बाइक क्रमांक सीजी 04 एनपी 4934 में सवार था।

- सेक्टर 7 शिवधाम में सुबह से लेकर रात तक शिव के रंग में रंगे लोग
- विधायक देवेंद्र और विधायक अरुण वोरा सहित शामिल हुए शहर भर के जनप्रतिनिधि

सेक्टर 7 तालाब में बना हरिद्वार का माहौल

महा आरती में उमड़े हजारों शिवभक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । सावन के दूसरे सोमवार सेक्टर 7 तालाब में हरिद्वार और वाराणसी जैसा माहौल बन गया सुबह 7:00 बजे शुरू हुए रुद्राभिषेक के साथ यह कार्यक्रम पूरे दिन चला और अध्ययन रात तक लोग भजन कीर्तन में झूमते रहे। शह। शाम को सेक्टर 7 तालाब में हुई गंगा आरती के हजारों लोग साक्षी बने। शहर में इस सोमवार का सबसे बड़ा आयोजन सेक्टर 7 तालाब तालाब स्थित शिवधाम में हुआ। जहां सुबह रूद्राभिषेक के साथ दिनभर पूजन का दौर चलता रहा। दोपहर को भंडारा में जहां हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद लिया। सुबह यहां महादेव की पूजा-अर्चना में शामिल होने भिलाई विधायक देवेन्द्र यादव, दुर्ग विधायक अरूण वोरा, निगम के सभापति गिरिवर बंटी साहू सहित निगम के पार्षद आदि पहुंचे।

कार्यक्रम के संयोजक लक्ष्मीपति राजू ने बताया कि पूरे एक महीने से इस कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी। जिसमें शिवधाम महिला समिति की भूमिका खास रही। ग्रुप की करीब 2 सौ महिलाओं ने मिलकर पूरी व्यवस्था की है। उन्होंने बताया कि महा आरती का आयोजन अब हर वर्ष होगा और इसमें श्रद्धालुओं की संख्या में और ज्यादा इजाफा होगा ।

पहली बार हुए इस आयोजन में श्रद्धालुओं की भागीदारी को देखते हुए इसे अगले साल और वृहद स्तर पर किया जाएगा शहर में पहला आयोजन हरिद्वार और वाराणसी की तर्ज पर पहलीबार शहर में गंगा आरती की गई। इस आरती के लिए पांच सौ से भी अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। वहीं आरती को देखने भी हजारों लोग यहां उमड़े। पंडित कान्हा महाराज ने यहां आरती कराई। इससे पहले शिवभजनों पर भक्त घंटों झूमते रहे। हरिद्वार और वाराणसी की तर्ज पर पहलीबार शहर में गंगा आरती की गई। इस आरती के लिए पांच सौ से भी अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। वहीं आरती को देखने भी हजारों लोग यहां उमड़े। पंडित कान्हा महाराज ने यहां आरती कराई। इससे पहले शिवभजनों पर भक्त घंटों झूमते रहे। शाम को हुई भजन संध्या में कान्हा महाराज ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। इस दौरान महादेव की झांकी सबसे खास रही। तालाब घाटों से लेकर मंच तक महादेव के सिंगार में पहुंचे युवा लोगों को झूमने मजबूर करते रहे।

एक जैसी साड़ी पहनकर पहुंची महिलाएं

शिवधाम महिला समिति का ड्रेसकोड भी खास रहा। पीले रंग की एक जैसी साडियों में 2 सौ महिलाएं सुबह से रात तक डटी रही। जिन्हें जो जिम्मेदारी मिली उसे महिलाओं ने बखूबी निभाया। महिलाओं ने बताया कि इतने बड़े आयोजन की जिम्मेदारी उन्हें दी गई। एमआईसी सदस्य एवं इस आयोजन के प्रमुख लक्ष्मीपति राजू ने महिलाओं पर भरोसा जताकर साबित किया कि घर हो या बाहर महिलाएं हर जगह बेहतर कार्य कर सकती हैं। इस कार्यक्रम में शामिल होने से विधान महिला समिति के अलावा अन्य कई समिति की महिलाओं ने एक जैसी साड़ी पहन कर पूजा अर्चना की।

20 हजार लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद

शिव धाम सेक्टर 7 में सावन के दूसरे सोमवार हुए कार्यक्रम में सुबह से लेकर शाम तक भंडारे का दौर चलता रहा ।यहां पर 20 हजार से ज्यादा लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

महापौर ने इंटेक वेल में 20 फीट नीचे जाकर कार्य कराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विगत दिनों हुई तेज बारिश व नदी में पानी का बहाव ज्यादा होने के कारण दोनों इंटेकवेल में काफी मात्रा में मिट्टी के साथ जलकुंभी जमा हो गई थी जिसके कारण शहरवासियों को पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति नही हो सकी थी। यह प्राकृतिक आपदा के रूप में अत्याधिक बारिश से हो जाता है। नगर निगम ने दिन-रात तीनो शिफ्ट में स्पेशल एक्सपर्ट टीम लगाकर दोनो इंटेकवेल की सफाई कराई है। लगातार बारिश के चलते यह कार्य जोखिम का हो जाता है, क्योंकि टीम को नदी के लेवल से लगभग 40 फीट नीचे जाकर इंपैलर और फुट वाल्व के कचरे, मिट्टी, जल कुंभी आदि को साफ किया जाना होता है किंतु विधायक अरूण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, जल कार्य प्रभारी संजय कोहले तथा निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे की सतत मॉनिटरिंग,मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देश से दोनो इंटेक वेल की सफाई कराई गई।

निगम प्रशासन अति आवश्यक सेवा के प्रति संवेदनशील है एक्सपर्ट विशेष गैंग से सफाई का कार्य लगातार जारी रहेगा। पूर्व में भी अत्याधिक बारिश होने पर ऐसी स्थिति आई है मौसम अनुकूल होने पर अभी समस्त वार्डों में सप्लाई का प्रयास किया जा रहा है । महापौर स्वयं इंटेक वेल में 20 फीट की गहराई में नीचे उतरकर इस प्राकृतिक आपदा से निपटने जय प्रदाय टीम के साथ कार्य कराए है। मंगलवार से जल प्रदाय दोनो समय में सामान्य किए जाने निगम प्रयासरत है। प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से आवश्यकतानुसार जल प्रदाय किया जा रहा है। आम नागरिकों को होने वाली असुविधा के लिए महापौर,जल कार्य प्रभारी और आयुक्त ने खेद व्यक्त किए है।साथ भविष्य में संभावित हो सकने वाली कठिनाइयों से निपटने हेतु पूर्व से आवश्यक तैयारी करने एवं अलर्ट रहने के निर्देश टीम को दिए है। नगर पालिक निगम दुर्ग स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल क्षेत्र की जनता को प्रदाय करने के लिए कृत संकल्पित है।

सरकारी अधिकारी-कर्मचारी 29 तक हड़ताल पर, कार्यालयों में कामकाज ठप्प

दुर्ग। जिले के सरकारी अधिकारी व कर्मचारी केन्द्र के समान देय तिथि से 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता और सातवें वेतनमान में गृहभाड़ा भत्ता देने की मांग को लेकर सोमवार से कलमबंद-कामबंद हड़ताल पर चले गए। 53 विभाग के करीब 20 हजार अधिकारी-कर्मचारियों का यह हड़ताल 29 जुलाई तक चलेगा। उनके हड़ताल पर जाने से पहले दिन ही शासकीय विभागों के कार्यालयों में कामकाज ठप्प रहा। जिससे अपने कामकाज को लेकर शासकीय कार्यालयों में पहुंचे लोगों में भटकाव की स्थिति निर्मित रही। खासकर शिक्षा स्वास्थ्य, निगम, तहसील, कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे लोग कार्य नही होने से परेशान रहे। यह स्थिति हफ्तेभर रहेगी।

साइंस कॉलेज दुर्ग में घर घर तिरंगा झंडा यात्रा का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। साइंस कॉलेज दुर्ग की एनएसएस इकाई द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत महाविद्यालय से घर घर तिरंगा यात्रा की शुरुआत की गई। महविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर एन सिंह ने इस अवसर पर एनएसएस छात्र छात्राओं को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने घर घर तिरंगा झंडा यात्रा के लिए रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

एनएसएस इकाई ने महाविद्यालय परिसर में नारे एवं जयघोष से देश भक्ति एवं राष्ट्रीय अखंडता का संदेश दिया। इस अवसर पर एनएसएस स्वयं सेवकों ने देश भक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर एन सिंह ने घर घर तिरंगा झंडा यात्रा के अंतर्गत महाविद्यालय के प्रत्येक स्टॉफ को तिरंगे को ससम्मान अपने घरों में लगाने हेतु प्रेरित किया। एनएसएस छात्र इकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रो जनेंद्र कुमार दीवान ने बताया कि घर घर तिरंगे के महत्त्व को जन जन तक पहुंचाने हेतु किया जा रहा है। एनएसएस स्वयं सेवक लोगो के बीच पहुंच कर तिरंगे के का महत्व बताएंगे और देशभक्ति की भावना जगाएंगे।इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में कवर्धा से आए कार्यक्रम अधिकारी श्री हेमधर साहू जी का व्याख्यान एनएसएस छात्र छात्राओं के लिए रखा गया । जिसमें उन्होंने ओजपूर्ण मधुर गीतों एवम् संबोधन से विद्यार्थियों को उत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बताया गया कि सभी को भारतीय ध्वज संहितायें 2002 अधिनियम-1971 में दिए गए राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और सम्मान बनाये रखने हेतु प्रदर्षित/फहराते समय अत्यधिक सावधानी रखें।

इस अवसर पर छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ मीना मान भी उपस्थित थीं। सभी एनएसएस स्वयं सेवकों ने इस आयोजन के लिए महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया जिसमें दलनायक लेविस कुमार, उपदलनायक कमलेश, उप दलनायक डेनिल कुमार, वरिष्ठ स्वयं सेवक पारस, प्रशांत वर्मा ने उल्लेखनीय योगदान दिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950